CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक
संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 32 ता.27 जूलाई 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो।9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

महाराष्ट्र सदन में लगी भीषण आग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित महाराष्ट्र सदन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र सदन में सोमवार सुबह आग की लपटें उठती देख अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों द्वारा कूलिंग का काम अभी जारी है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

आग की चपेट में आए भवनों को नया एनओसी मिलने तक इस्तेमाल की इजाजत नहीं

गौरतलब है कि दिल्ली फायर सर्विस ने बीते महीने जारी एक आदेश में हाल ही में भीषण आग की चपेट में आए ऐसे किसी भी भवन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिनके पास फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट तो है, लेकिन उन्हें नया अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया गया है। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया जब दमकल विभाग ने पाया कि ऐसे कुछ प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों में अस्पताल और निर्माण इकाइयां शामिल हैं।

कारगिल विजय दिवस

कारगिल युद्ध के शहीदों को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कहा- प्रेरित करती है इनकी बहादुरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 1999 में पकिस्तान के खिलाफ लड़े गए कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने ट्विटर पर पिछले साल के 'मन की बात' का एक हिस्सा साझा किया। इसमें उन्होंने कारगिल युद्ध के शहीदों को नमन किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, हम वीर शहीदों के बलिदान और उनकी वीरता को याद करते हैं। उन्होंने लिखा- 'आज, कारगिल विजय दिवस पर हम उन सभी को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा करते हुए कारगिल में अपनी जान

● पीएम मोदी ने ट्विटर पर पिछले साल के 'मन की बात' का एक हिस्सा साझा किया। इसमें उन्होंने कारगिल युद्ध के शहीदों को नमन किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, हम वीर शहीदों के बलिदान और उनकी वीरता को याद करते हैं। उन्होंने लिखा- 'आज, कारगिल विजय दिवस पर हम उन सभी को श्रद्धांजलि देते हैं, जिन्होंने हमारे देश की रक्षा करते हुए कारगिल में अपनी जान गंवाई. उनकी बहादुरी हमें हर दिन प्रेरित करती है।'

गंवाई. उनकी बहादुरी हमें हर दिन प्रेरित करती है।' बता दें कि हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया जाता है। ये वही दिन है, जब भारतीय सेना ने कारगिल में अपनी सभी चौकियों को वापस पा लिया था, जिनपर पाकिस्तान की सेना ने कब्जा किया था। ये लड़ाई जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में साल 1999 में मई से जुलाई के बीच हुई थी। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को जानकारी दिए बिना तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने कारगिल में घुसपैठ करवाई थी।

कारगिल विजय दिवस की आज 22वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्रास का दौरा करेंगे। यहां वे 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाए गये अदम्य साहस एवं उनके द्वारा दिये गये सर्वोच्च बलिदान के प्रति कारगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। रक्षा प्रमुख जनरल बिपिन रावत भी द्रास में कारगिल विजय दिवस समारोह में भाग लेंगे।

देश में जल्द ही बच्चों को लगेगी कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर कमजोर पड़ गई है और ज्यादातर चीजों को धीरे-धीरे खोला जाने लगा है लेकिन इन सब के स्कूलों को फिर से खोलने पर बात भी होने लगी है। लेकिन कोरोना की तीसरी लहर के डर से मां-बाप अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार नहीं है। पैरेंट्स के डर का एक बड़ा कारण यह है कि अभी तक बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीन बनकर तैयार नहीं हुई है। हालांकि कई कंपनियां बच्चों के लिए कोरोना का टीका बनाने की तैयारी में लगी हैं। क्लीनिकिल ट्रायल लगातार जारी है। कुछ कंपनियों के ट्रायल पूरे भी हो चुके हैं, अब देखना यह है कि देश कों बच्चों के लिए वैक्सीन कब मिलती है। बता दें कि कई कंपनियां है जो टीका बना रही हैं। भारत में 18 साल से ज्यादा उम्र वालों को तो टीका लगाया जा रहा है लेकिन बच्चों का टीका अभी बाजार में नहीं आया है, यही कारण है कि लोग बच्चों के लिए डरे हुए हैं। हालांकि एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने भी कहा थी कि जिन इलाकों में कोरोना पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत से कम है वहां स्कूलो को फिर से खोलने पर विचार करना चाहिए। हालांकि बच्चों के लिए कोरोना

वैक्सीन पर ट्रायल लगातार जारी हैं। कई कंपनियां है जो बच्चों के लिए कोरोना टीका बनाने की तैयारी में लगी हैं-

कोवैक्सीन- एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा है कि भारत बायोटेक की कोवैक्सीन बच्चों पर ट्रायल कर रहा है और सितंबर तक इसके नतीजे आने की उम्मीद है। कोवैक्सीन की दूसरी खुराक अगले सप्ताह ट्रायल्स में 2 से 6 साल के बच्चों को दी जा सकती है। दिल्ली एम्स में 6-12 साल की उम्र के बच्चों को कोवैक्सीन की दूसरी खुराक पहले ही दी जा चुकी है। जल्द ही इसका डेटा सामने आ जाएगा।

केंद्र सरकार भाषायी अल्पसंख्यकों की करें पहचान, शिक्षण संस्थान चलाने की मिले अनुमति

नई दिल्ली। तमिलनाडु के एक शिक्षा संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके केंद्र सरकार को भाषायी अल्पसंख्यकों की पहचान करने के निर्देश देने की मांग की है। उनकी यह पहचान धार्मिक अल्पसंख्यकों की तरह ही करवाने का निवेदन किया गया है। ताकि उन्हें भी अपने शिक्षण संस्थान चलाने के लिए सरकार से अनुदान व लाभ मिल सके।

याचिका में कहा- 10 राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक, दिए जाएं लाभ-याची ने कहा, पंजाब व मिजोरम सहित 10 राज्य में हिंदूओं को अल्पसंख्यक होने के नाते तय लाभ दिए जाने चाहिए। मुस्लिम सिख या ईसाई धर्म की तरह उन्हें शिक्षण संस्थान चलाने के लिए सरकारी लाभ नहीं दिए जाते। यह संगठन सिटीजंस एजुकेशन सोसायटी तमिलनाडु और कर्नाटक में अल्पसंख्यक मलयालम भाषी विद्यार्थियों के लिए स्कूल चलाता है। भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को पक्ष रखने को कहा था।

धर्म के साथ भाषायी अल्पसंख्यकों की पहचान भी करता है संविधान- याचिका में कहा गया है तमिलनाडु और

कर्नाटक में मलयालम अल्पसंख्यक भाषा है। उसे धार्मिक अल्पसंख्यकों की तरह इन राज्य में सरकारी लाभ व अनुदान दिए जाने चाहिए। संविधान का अनुच्छेद-30 धर्म के साथ-साथ भाषाई अल्पसंख्यक के अधिकारों का संरक्षण करता है। इसी अनुच्छेद के तहत अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान अधिनियम 2004 बनाया गया था। केंद्र ने जनवरी 2005 से मुसलमान, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसियों को इस अधिनियम के तहत अल्पसंख्यक माना, पर अब तक भाषायी अल्पसंख्यकों की पहचान नहीं करवाई।

नदियों, जलाशयों का संरक्षण राज्य का मौलिक कर्तव्य - केरल हाईकोर्ट

केरल हाईकोर्ट ने कहा कि नदियों और दूसरे जल संसाधनों का संरक्षण राज्य के साथ-साथ संबंधित स्थानीय निकायों का मौलिक कर्तव्य जिनके साथ में निहित है। अदालत ने यह टिप्पणी केरल सरकार और कोट्टायम की तीन नगर पालिकाओं को मीनाचिल नदी के पानी की शुद्धता बनाए रखने और नदी किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया। साथी ही मुख्य न्यायाधीश एस मणिकुमार और जस्टिस शाजी पे चेली की पीठ ने राज्य और अन्य निकायों को 3 महीने में एक बार नदियों व जलाशयों का निरीक्षण करने और कोट्टायम के जिलाधिकारी को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

हैदराबाद में भूकंप से हिली धरती, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.0 मापी गई

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में सुबह 5 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। 4.0 तीव्रता वाला यह भूकंप हैदराबाद के दक्षिणी इलाके में यह भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने कहा कि हैदराबाद में आज सुबह 5 बजे रिक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप निगरानी एजेंसी द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र हैदराबाद से 156 किलोमीटर दक्षिण में आंध्र प्रदेश में था। एनसीएस ने बताया कि भूकंप ने 10 किलोमीटर गहराई तक क्षेत्र को प्रभावित किया।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस बात की जानकारी दी कि 26 जुलाई को सुबह 5 बजे आए भूकंप की तीव्रता 4.0 थी इसका आक्षांश 16.00 और लंबाई 78.22 और वही इसकी गहराई 10 किमी बताई गई। हालांकि भूकंप में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इसरो के मिशनों से जुड़ी थीम आधारित खिलौने, टी-शर्ट और मग जल्द आएंगे बाजार में

बंगलूरू। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विज्ञान मिशनों से जुड़ी थीम आधारित खिलौने, टी-शर्ट, मग और अंतरिक्ष की थीम पर बने शैक्षिक गेम जल्द ही बाजार में आएंगे, जिन्हें विज्ञान प्रेमी कहीं भी खरीद सकेंगे। दरअसल, इसके लिए आठ कंपनियों से इसरो में पंजीकरण कराया है, जो इन वस्तुओं को बनाएंगी।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी में आठ कंपनियों ने कराया पंजीकरण

इसरो का मानना है कि उसके इस कार्यक्रम से आम लोगों, बच्चों, छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा होगी और जागरूकता आएगी। इसरो की विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में लोगों को जानकारी हो सकेगी। अंतरिक्ष विभाग के तहत बंगलूरू स्थित इसरो के मुख्यालय के एक अधिकारी के मुताबिक, अब तक आठ कंपनियों ने इसरो के साथ थीम आधारित

लेख/मॉडल के संबंध में पंजीकरण कराया है।

इनमें इंडिक इन्सपिरेशंस (पुणे), 1947आईएनडी (बंगलूरू) और अंकुर हॉबी सेंटर (अहमदाबाद) शामिल हैं। सहमति पत्रों के मुताबिक, इसरो इन कंपनियों को विभाग के गौरव को कोई नुकसान पहुंचाए बिना चित्रों या कोई डिजाइन मुहैया कराएगा, ताकि वे वस्तुओं को बनाने में इनका इस्तेमाल ठीक ढंग से कर सकें। इन वस्तुओं के दाम उचित रखे जाएंगे, ताकि इन्हें ज्यादा से ज्यादा लोग खरीद सकें। इसरो ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह वस्तुओं की बिक्री या बेचे जाने के बाद, वितरण, गुणवत्ता या बिक्री के कारण नुकसान के लिए कभी कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा।

चटाई या चप्पलों पर न हो ऐसी थीम, यह है शर्त

नियम और शर्तों के अनुसार, पंजीकृत कंपनियां दरवाजों के पास बिछाई जाने वाली चटाई, चप्पल या ऐसी किसी भी वस्तु पर इसरो की थीम, तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करेंगी, जो संगठन की प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं। जहां कहीं भी थ्री-डी मॉडल और टू-डी ड्रॉइंग का उपयोग स्केल किए गए मॉडल, लेगो सेट, जिग्स पहेली को बनाने के लिए किया जा रहा है, ऐसे में सटीकता और सतर्कता जरूरी हो।

समाज में निचले पायदान पर खड़े लोगों की आर्थिक उन्नति में सहकारी क्षेत्र की अहम भूमिका

नई दिल्ली। इसी माह केंद्रीय मंत्रिमंडल में किए गए विस्तार के साथ ही एक सहकारिता मंत्रलय का गठन चर्चा में है। हमारे देश में आज सहकारी क्षेत्र को मजबूत समर्थन की जरूरत है। सहकारिता वास्तव में ग्रामीण परिदृश्य में सर्वव्यापी है। भारत की अधिकांश ग्रामीण अर्थव्यवस्था सहकारिता से प्रभावित होती है और किसी न किसी रूप में लगभग हर ग्रामीण जीवन को प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवेश में यह 'जीवन की सुगमता' के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। हालांकि इसका योगदान कुछ क्षेत्रों में अधिक प्रभावी नहीं रहा है, यहां तक कि इस कारण से कुछ क्षेत्रों में एक प्रकार से ह्रास ही हुआ। विडंबना यह है कि राज्य इस क्षेत्र पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि इसे पोषण के साथ एक मजबूत रीढ़ और अभिनव दिमाग की जरूरत है।

नीति निर्माताओं की उदासीनता- हमारे नीति निर्माता इस क्षेत्र के विकास के प्रति उदासीन रहे हैं। प्रत्येक राज्य में सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार जो इस क्षेत्र की देखरेख करते हैं, उनके पास प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए न तो क्षमता है और न ही संसाधन। उदासीनता में जकड़े सहकारिता के इन कर्ताधर्ताओं को इसकी वास्तविक जरूरतों से कोई खास मतलब नहीं है।

संबंधित विश्लेषणों से यह तथ्य सामने आया है कि बड़े पैमाने पर उदासीनता और पोषणकर्ता (राज्य सरकारों) की लापरवाही के कारण आज हमारा सहकारी ढांचा टूट गया है। इसकी नींव बेहद नाजुक है। इसकी संरचना वर्तमान दौर के अनुकूल नहीं है। इसे कमजोर आधार पर खड़ा किया जाता है। हालांकि राज्य इसके कर्ताधर्ता हैं, लेकिन अपनी ओर से वह कोई जवाबदेही स्वीकार नहीं करता है और न ही कोई जिम्मेदारी लेता है, लिहाजा यह क्षेत्र समुचित रूप से पनप नहीं पाता है।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, कमजोर नियंत्रण-

हमारे देश में सहकारी पारितंत्र का राजनीतिकरण किया जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में अगर कोई इसे सामाजिक-आर्थिक के बजाय राजनीतिक इकाई मानता है, तो उसे आसानी से समझा जा सकता है। कई राज्यों में यह एक पालन-पोषण क्षेत्र बन गया है, तो कुछ राज्यों में उभरते राजनेताओं के लिए पहचान बनाने और विधानसभा में जाने का एक माध्यम बन गया है। एक समय महाराष्ट्र के निर्वाचित विधायकों में से करीब एक-तिहाई ने सहकारी क्षेत्र में हाथ आजमाते हुए ही अपनी लोकप्रियता बढ़ाई थी। लेकिन इसके बावजूद इस क्षेत्र ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान करना जारी रखा है। वैसे यह क्षेत्र गरीबों की तमाम आकांक्षाओं को पूरा करता है और वंचितों की सेवा करता है। कई ग्रामीण समुदायों में सहकारिता अक्सर एकमात्र सेवा प्रदाता है। विशेष रूप से देश के सबसे गरीब जिलों में।

सहकारिता के माध्यम से कृषि क्षेत्र में बाजार तक पहुंच प्रदान करते हुए किसानों की समुचित तरीके से मदद की जा सकती है। इसके माध्यम से किसानों को उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन जैसी प्रक्रियाओं में काफी मदद मिलती है। सहकारिता के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण, ऋण और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं, जिससे कृषि में उन्हें उच्च लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार सहकारी संगठनों के जरिये किसानों की उपज का उन्हें अधिकतम मूल्य हासिल करवाने का प्रयास किया जाता है।

विभिन्न सहकारी संस्थाएं व्यक्तिगत जोखिम को कम करके उद्यमिता को सक्षम बनाती हैं। वे साझा उत्पादकता, निर्णय लेने की क्षमता और रचनात्मक समस्या-समाधान द्वारा सहयोगी उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। संबंधित पेशेवरों के बीच किए गए एक हालिया अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि सहकारिता की सफलता दर आठ गुना अधिक और एमएसएमई यानी लघु एवं मध्यम आकार के उद्योगों की तुलना में दोगुना मजबूत और टिकाऊ है।

ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम- क्रेडिट सहकारिता सूक्ष्म उद्यमियों को छोटे कारोबार शुरू करने, खेती या पशुधन में उद्यम करने के लिए भी प्रोत्साहित करने और उन्हें ऋण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, हस्तशिल्प उद्योग को संरक्षित करने और 'बाजार तक पहुंचाने' में कुछ खास सहकारी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उल्लेखनीय है कि सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने का एक बड़ा माध्यम बनता है और उन्हें अपने समुदायों के बीच ही रहते हुए सभी के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है।

CMYK

सार समाचार

गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां शुरू ! विशेष अतिथियों की लिस्ट तैयार कर रही सरकार

नयी दिल्ली। अगले साल होने वाली गणतंत्र दिवस परेड को लेकर सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देश, विदेश की जानी मानी हस्तियों और कला, संस्कृति, रंगमंच, विज्ञान, खेल और सेना से जुड़े विशेष लोगों की सूची तैयार की जा रही है। जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड का न्यौता भेजा जाना है। अंग्रेजी समाचार पत्र 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने मई में सरकारी विभागों को अपने संबंधित क्षेत्रों के व्यक्तियों के नाम और संपर्क विवरण प्रदान करने के लिए पत्र लिखे थे। जिन्हें वे परेड के लिए आमंत्रित करने की सिफारिश करना चाहते हैं। इसके साथ ही पत्र में उन व्यक्तियों के विशेष योगदान और उपलब्धि को कुछ शब्दों में इंगित करने के लिए कहा गया था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित करने वाले लोगों के नामों की सिफारिश करने की अंतिम तिथि 15 जून थी। आपको बता दें कि अगले साल होने वाली गणतंत्र दिवस परेड नवीनीकृत राजपथ पर होगी।

खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का द्रास दौरा रद्द किया गया

श्रीनगर। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार को द्रास शहर का दौरा करने वाले थे लेकिन खराब मौसम के चलते उसे रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति, जो सोमवार को द्रास युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण करने वाले थे। इसके बजाय अब वह बारामूला युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह पहली बार नहीं है जब खराब मौसम ने राष्ट्रपति को द्रास जाने से रोका हो। 2019 में भी खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति कारगिल विजय दिवस में भाग लेने के लिए द्रास नहीं जा सके थे। इसके बजाय, उन्होंने श्रीनगर के बादामीबाग में सेना के 15 कोर मुख्यालय में एक युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति कोविंद जम्मू-कश्मीर के चार दिवसीय दौरे पर रविवार को श्रीनगर पहुंचे।

सिया बोर्ड ने धर्म परिवर्तन कानून पर जताई चिंता

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने सोमवार को धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की। अपनी कार्यकारी बैठक में, बोर्ड ने कहा कि इस मुद्दे पर निर्दोष मुसलमानों को फंसाया जा रहा है और सरकार से इस मुद्दे पर अपने कानूनों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, मुसलमानों को, जिन्हें इस मुद्दे पर फंसाया जा रहा है, उन्हें अदालत से राहत मिल रही है, जो साबित करता है कि उन्हें निहित स्वार्थों द्वारा जानबूझकर फंसाया जा रहा है। एआईएसपीएलबी के कार्यकारी निकाय ने योगी आदित्यनाथ सरकार से समुदाय के खिलाफ नए कानून बनाने के बजाय मुसलमानों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कहा। नई प्रस्तावित जनसंख्या नीति का उल्लेख करते हुए बोर्ड का विचार था कि नीति को वापस लिया जाना चाहिए और सरकार को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करना चाहिए।

बिहार: राजग विधायकों की बैठक से वीआईपी का किनारा, सहनी ने कहा, नहीं सुनी जाती बात

पटना। बिहार मानसून सत्र को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायकों की सोमवार को हुई बैठक का विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने बहिष्कार कर दिया। वीआईपी के कोई भी विधायक इस बैठक में शामिल नहीं हुए। इधर, वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि राजग की बैठक में जाने का कोई मतलब नहीं, क्योंकि वहां विधायकों की बात नहीं सुनी जाती। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र के सोमवार को आगाज होने के बाद राजग के सभी विधायकों की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में राजग के करीब सभी विधायक शामिल हुए, लेकिन वीआईपी के किसी विधायक ने हिस्सा नहीं लिया। इस बीच, बैठक में शामिल नहीं होने को लेकर पत्रकारों ने जब बिहार के मंत्री मुकेश सहनी से सवाल किया तो उन्होंने कहा, हमारे विधायकों की बात राजग की बैठक में नहीं सुनी जाती है। ऐसे में राजग की बैठक में जाने का क्या मतलब है। हमलोग अपने विधायकों की बैठक करेंगे। मुकेश सहनी की नाराजगी उत्तर प्रदेश में फूलन देवी की प्रतिमा नहीं लगाने दिए जाने को लेकर भी बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग की सरकार चल रही है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (युनाइटेड), वीआईपी और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा शामिल है।

योगी ने लॉन्च किया माई गव-मेरी सरकार पोर्टल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां माई गव-मेरी सरकार पोर्टल लॉन्च किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सरकार लोगों से फीडबैक प्राप्त करेगी और उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी देगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल अपनी कुशल सेवा के लिए जाना जाएगा। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, पोर्टल का उद्देश्य राज्य सरकार के साथ आम नागरिकों के जुड़ाव को और बढ़ाना है। यह शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार और उन पर आम नागरिकों की राय जानने का एक प्रमुख मंच होगा। प्रवक्ता ने आगे कहा कि मेरी सरकार पोर्टल राज्य के लोगों को अपने विचार, सुझाव और प्रतिक्रिया देने में मदद करेगा। यह पोर्टल जनभागीदारी और सुशासन के लिए एक अभिनव मंच बनेगा। प्रधानमंत्री की पहल से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने इस पोर्टल को शुरू करने का फैसला किया है।

प्रधानमंत्री ने सभी घरों में पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है : शाह

शिलांग (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 75 साल पूरे होने से पहले देश के हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है।

शाह ने कहा कि मोदी ने पूर्वोत्तर राज्य के 50 साल पूरे होने पर मेघालय के हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। मेघालय की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन ग्रेटर सोहरा जल परियोजना का उद्घाटन करने के बाद गृहमंत्री ने कहा, अगर पानी का स्रोत शुद्ध नहीं रहा तो लोग स्वस्थ नहीं होंगे।

जल जीवन मिशन, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और मेघालय सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 25 करोड़ रुपये की परियोजना को उत्तर-पूर्व विशेष अवसंरचना योजना के तहत प्रत्येक घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया था। शाह ने कहा कि मेघालय राज्य में 2,80,000 परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराने का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसे 1,874 छोटी परियोजनाओं में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की महत्वाकांक्षी परियोजना को इस सुदूर क्षेत्र में पहुंचाने का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण है। केंद्रीय गृहमंत्री ने बाद में सोहरा में रामकृष्ण मिशन में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और प्रार्थना कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय डोनर मंत्री जी. किशन रेड्डी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विभाग के राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह, डोनर राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा सहित अन्य भी शाह के साथ थे।

राज्यसभा से वापस लिया गया स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक सोमवार को राज्यसभा से वापस ले लिया। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध संशोधन विधेयक, 2012 वापस लिए जाने का प्रस्ताव किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

उस समय सदन में विपक्षी सदस्य विभिन्न मुद्दों को लेकर हंगामा कर रहे थे और कुछ सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी कर रहे थे। यह विधेयक 2012 में संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया गया था और इसमें मूल कानून स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 में संशोधन तथा उसके दायरे में वृद्धि का प्रस्ताव किया गया था। सरकार ने विज्ञापनों, चित्रों सहित विभिन्न तरीकों से महिलाओं के अशिष्ट चित्रण पर रोक लगाने के लिए स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 को लागू किया था।

पेगासस मामले में अखिलेश ने की जेपीसी की मांग, पूछा- भाजपा को क्यों पड़ी जासूसी की जरूरत?

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पेगासस जासूसी मामला भारत में तूल पकड़ता जा रहा है। सड़क से लेकर संसद तक विपक्ष सरकार का विरोध कर रहा है। विपक्ष लगातार इसमें जांच की मांग कर रहा है। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी भी केंद्र सरकार पर हमलावर है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पेगासस मामले की जेपीसी की मांग कर दी है। इसके साथ ही साथ उन्होंने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा है।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जासूसी के सख़्त ख़िलाफ़ है। यह जानना ज़रूरी है कि भाजपा को लोगों का भारी समर्थन हासिल है, उसके बाद भी जासूसी कराने की भाजपा को क्यों ज़रूरत पड़ी। हम इस जासूसी के लिए जेपीसी(ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) की मांग करते हैं।

आपको बता दें कि इस मुद्दे को लेकर आज ही संसद में हंगामा हुआ दोनों सदन नहीं चल सके। पेगासस जासूसी मामला, तीन केंद्रीय कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई, हालांकि इससे पहले सरकार ने सदन में शोर-शराबे के बीच दो विधेयक भी पारित कराये।

किसान नेता राकेश टिकैत का बड़ा बयान, बोले- दिल्ली की तरह लखनऊ के भी रास्ते करेंगे सील

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों का पिछले 8 महीने से आंदोलन जारी है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया है। किसान नेता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की तरह ही लखनऊ के रास्ते भी चारों तरफ से सील होंगे। इसकी तैयारी की जाएगी। समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि लखनऊ को भी दिल्ली बनाया जाएगा जिस तरह दिल्ली में चारों तरफ के रास्ते सील हैं, ऐसे ही सील होंगे। हम इसकी तैयारी करेंगे। उन्होंने कहा कि 8 महीने आंदोलन करने के बाद संयुक्त मोर्चा ने फैसला किया है कि हम उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब और पूरे देश में जाकर किसानों से अपनी बात रखेंगे और सरकार की नीति व काम को लेकर बात करेंगे। 5 सितंबर को मुजफ्फरनगर में बड़ी पंचायत होगी। गौरतलब है कि किसानों की सरकार से मांग है कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनाया जाए। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि वो कानून वापस नहीं लेंगे। लेकिन जरूरी संशोधन करने के लिए तैयार है। किसानों ने आठ महीने से जारी आंदोलन को गति देने के लिए जंतर-मंतर पर किसान संसद का आयोजन किया। रोजाना 200 किसान जंतर-मंतर पर किसान संसद का आयोजन करते है और शाम होते ही अपने आंदोलनस्थल पर वापस लौट जाते हैं। किसानों की इस संसद में स्पीकर की भी नियुक्ति होती है।

वहीं दूसरी तरफ किसानों ने आगामी उत्तर प्रदेश चुनाव को देखते हुए 'मिशन उत्तर प्रदेश' की योजना तैयार की है और उनका मुख्य फोकस चुनाव होगा। दिल्ली की ही तरह अब किसान संगठन के लोग लखनऊ में भी अपना डेरा डाल सकते हैं। हालांकि अभी तक स्पष्ट रणनीति तैयार नहीं हुई है।

पंजाब के बाद राजस्थान की बारी, दिल्ली आएंगे सचिन पायलट, समर्थक विधायकों को मिलेगी गहलोत कैबिनेट में जगह

जयपुर (एजेंसी)।

पंजाब कांग्रेस की अंतर्कलह को खत्म करने के बाद अब आलाकमान राजस्थान को लेकर सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल जयपुर पहुंचे तो उसके बाद इस बात के कयास लगने शुरू हो गए कि अब राजस्थान के मुद्दों को भी हल करने की कोशिश आलाकमान कर रहा है। इन सबके बीच खबर यह है कि केसी वेणुगोपाल और अजय माकन ने लंबी चर्चा की है। दोनों ने राजस्थान कांग्रेस में जारी अंतर्कलह को लेकर फार्मूला तैयार कर लिया है। फार्मूले के अनुसार सचिन पायलट को दिल्ली बुलाया जाएगा जबकि इनके समर्थक विधायकों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कैबिनेट में शामिल किया जाएगा।

हालांकि फिलहाल यह सब संभावनाएं है जो सूत्रों के हवाले से मिल रही हैं। माना यह भी जा रहा है कि फिलहाल सचिन पायलट को लेकर अशोक गहलोत मानने को तैयार नहीं है। यही कारण है कि सचिन पायलट को दिल्ली की राजनीति में सक्रिय किया जा सकता है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि सचिन पायलट को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि यह बात भी सच है कि सचिन पायलट पार्टी के लिए लगातार दूसरे राज्यों में प्रचार करते हैं। युवा चेहरा है ऐसे में चुनावी राज्यों में कांग्रेस उनका खूब इस्तेमाल कर सकती है।

इतना ही नहीं, खबर यह भी है कि राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा की भी छुट्टी हो सकती है। कोरोना प्रबंधन को लेकर उन्होंने जिस तरीके से बयान दिए हैं उससे सरकार के खिलाफ एक माहौल बना है। हालांकि, कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच सुलह कराना है। पंजाब में सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर के बीच सुलह के बाद अब राजस्थान की बारी है। देखना दिलचस्प होगा कि आखिर राजस्थान समस्या का हल कांग्रेस आलाकमान कैसे निकालता है?

पूज्य मोरारी बापू की #863वीं रामकथा

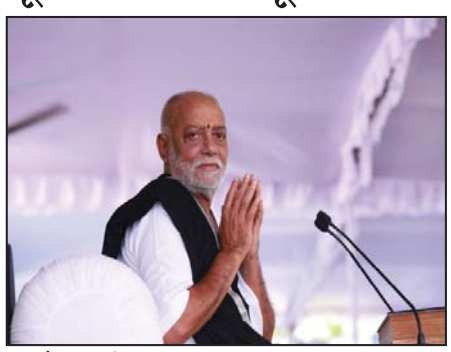

माँ नर्मदा के उद्गम स्थल #अमरकंटक में (दिनांक 31 जुलाई से 8 अगस्त) विराजमान होना तय हुई है ये कथा अत्यंत सीमित श्रोताओं के साथ है बापू का विनम्र अनुग्रह परक आदेश है केवल निमित्त मात्र जजमान और आयोजकों की नामजद सूची के साथ आमंत्रित श्रोताओं के साथ ही पूर्ण होंगी क्योंकि एक तो कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है और दूसरा अमरकंटक स्थान अति दुर्गम होने के कारण ज्यादा लोगों की व्यवस्था होने असंभव है अत: आयोजको और जजमान परिवार से कोई आग्रह न करें हमें मना करने में तकलीफ होती है और कोई ज़बरदस्ती आये भी ना

देखिये समस्त रामकथा आप ही के लिए है इसका आनंद घर बैठे आस्था पर और यू ट्यूब चैनल पर लीजिये कथा में उपस्थित होना इतना आवश्यक नहीं जितना कथा में होना ज़रूरी है और कथा में आप घर बैठे भी प्रवेश कर सकते है भाव के साथ।

हिमाचल में बारिश का कहर नौ पर्यटकों की मलबे में दबने से मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर में बारिश ने एक बार फिर कहर बरपाया है बारिश के चलते यहां कई जगह भारी भूस्खलन हो रहा है जिससे नौ लोगों के मारे जाने का समाचार है जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के मुताबिक किन्नौर जिले में बटसेरी के गुंसा के पास चट्टानें गिरने से छितकुल से सांगला की ओर आ रही पर्यटकों की गाड़ी भूस्खलन की चपेट में आ गई। गाड़ी पर पत्थर गिरने से नौ की मौत हो गई जबकि तीन घायल हैं। बताया जा रहा है कि गाड़ी में सवार पर्यटक दिल्ली और चंडीगढ़ से हिमाचल घूमने आए थे। भूस्खलन के कारण गांव के लिए बास्पा नदी पर बना करोड़ों का पुल टूट गया है जिससे गांव का देश दुनिया से संपर्क टूट गया है। पहाड़ से भूस्खलन सहित चट्टानें गिरने से कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर रवाना हो गई है। कांग्रेस विधायक जगत सिंह नेगी ने बताया कि पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे हैं जिस कारण रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल लिफ्ट करने के लिए सरकार से हेलीकॉप्टर मांगा गया है जिसके जल्द पहुंचने का आश्वासन मिला है। किन्नौर के डीसी आबिद हुसैन सादिक, एसपी एसआर राणा भी मौके पर मौजूद हैं। घटनास्थल पर चीख पुकार मची हुई है। बटसेरी के लोग पुलिस के साथ रेस्क्यू में जुटे हुए हैं।

वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग 505 काजा-समदो के तहत आने वाले काजा के लारा नाले में बादल फट गया। भारी बारिश के बाद नाले में बादल फटने से बाढ़ आ गई। हालांकि बादल फटने से किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन सड़क मार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे यहां पर सड़क के दोनों ओर 50 से अधिक वाहन भी फंस गए हैं। सड़क बहाल होने के बाद ही यह सभी वाहन लारा नाले से निकल पाएंगे। बादल फटने की सूचना मिलते ही बीआरओ की टीम ने सड़क बहाली का काम शुरू कर दिया है। मशीनरी लगाकर सड़क को बहाल करने की कोशिश चल रही है। बहरहाल जनजातीय क्षेत्रों में बारिश को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है। लोगों को नदी-नालों से दूर रहने को कहा गया है। उपायुक्त नीरज कुमार ने कहा कि बादल फटने से क्षतिग्रस्त हुई सड़क को बहाल किया जा रहा है।

बहरहाल जनजातीय क्षेत्रों में बारिश को देखते हुए प्रशासन ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है। लोगों को नदी-नालों से दूर रहने को कहा गया है। उपायुक्त नीरज कुमार ने कहा कि बादल फटने से क्षतिग्रस्त हुई सड़क को बहाल किया जा रहा है।

सार समाचार

चीन में फिर से बढ़ रहा है कोरोना का कहर, संक्रमण के मामले 60 से अधिक हुए

बीजिंग। चीन के प्रमुख पूर्वी शहर ननजिंग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और शहर में सोमवार को संक्रमण के 38 नए मामले सामने आए, जिससे संक्रमण के मामले 60 से अधिक हो गए हैं। देश में हजारों लोग पाबंदियों के बीच रह रहे हैं और अधिकारी बड़े पैमाने पर लोगों की जांच करा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर संक्रमण का एक मामला पास के सुछिआन शहर से सामने आया और एक अन्य मामला उत्तर पूर्वी प्रांत लिआओनिंग में सामने आया। संक्रमण के दोनों ही मामले निनजिंग शहर से जुड़े हुए हैं। संक्रमण के 36 अन्य मामले सामने आए जिनमें से आधे मामले म्यांमार की सीमा के पास स्थित युन्नान प्रांत में हैं। यहां संक्रमण से हालात गंभीर हैं। युन्नान में सामने आए संक्रमण के सभी मामले 30 जून और 24 जुलाई से पहले सीमा पार कर आए लोगों से जुड़े हैं। चीन में वर्ष 2019 में वुहान से कोरोना वायरस संक्रमण की शुरुआत होने के बाद से संक्रमण के कुल 87,228 मामले सामने आए हैं।

नाइजीरिया में हथियारों के दम पर 120 से ज्यादा स्कूली छात्रों को किया गया अगवा, अब तक 28 छोड़ा गया

कानो (नाइजीरिया)। नाइजीरिया में हथियारों से लैस अपहरणकर्ताओं ने जुलाई की शुरुआत में उत्तरी शहर दामिशी में 'बेथेल बैपटिस्ट हाई स्कूल' से अगवा किए गए 120 से अधिक छात्रों में से 28 छात्रों को रिहा कर दिया है। गिरजाघर अधिकारियों ने इन बच्चों को रविवार को स्कूल में उनके अभिभावकों को सौंप दिया। ' बैपटिस्ट कन्वेंशन' के अध्यक्ष इस्राइल अकांजी ने बताया कि 80 से अधिक छात्र अब भी बंदूकधारियों के कब्जे में हैं। पांच जुलाई को स्कूल से अगवा किए गए छात्रों में से अभी तक 34 को या तो छोड़ दिया गया है या वे खुद बंदूकधारियों के कब्जे से भाग निकले। ये छात्र कब रिहा हुए इसकी कोई जानकारी नहीं है। बंदूकधारियों ने कथित तौर पर प्रत्येक बच्चे की रिहाई के लिए 5,00,000 नाइरा (करीब1200 अमेरिकी डॉलर) की मांग हैं। अकांजी ने कहा कि गिरजाघर ने कोई फिरौती नहीं दी क्योंकि वह अपराधियों को पैसे देने का विरोध करता है। नाइजीरियाई पुलिस के प्रवक्ता मोहम्मद जालिगे ने कहा कि सुरक्षा बल और नागरिक रक्षा बल 12 जुलाई को सोहोन गया गांव के पास जंगलों के आसपास नियमित गश्त पर थे, तभी उन्होंने तीन अपहृत बच्चों को झाड़ी के पास घूमते हुए देखा। वहीं, 20 जुलाई को दो अन्य छात्र अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले।

अमेरिका के यूटा में रेतीला तूफान, 20 गाड़ियों के आपस में टकराने से कम से कम छह लोगों की मौत

कनोश (अमेरिका)। अमेरिका के यूटा में रेतीले तूफान के कारण 20 वाहनों के एक-दूसरे टकराने से रविवार दोपहर को कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। 'उटाह हाईवे पैट्रोल' ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि कनोश के निकट इंटरस्टेट 15 पर ये हादसे हुए, जिनमें छह लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबर मिली है। उसने बताया कि रेतीले तूफान के कारण दृश्यता स्तर कम होने जाने की वजह से वाहन आपस में टकरा गए। इंटरस्टेट 15 रविवार देर रात आशिंक रूप से बंद रहा। दुर्घटनास्थल के आस-पास यातायात को परिवर्तित किया गया। कनोश सॉल्ट लेक सिटी के दक्षिण में करीब 160 मील दूर स्थित है।

ट्यूनीशिया में राष्ट्रपति ने संसद की भंग, प्रधानमंत्री को बर्खास्त किया

ट्यूनिश। ट्यूनीशिया में कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुए हालात और आर्थिक स्थिति खराब होने के विरोध में देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और संसद की गतिविधियों पर रोक लगा दी। ट्यूनीशिया राष्ट्रपति कैस सईद ने संसद के सदस्यों को प्राप्त सभी अधिकारों को भी समाप्त कर दिया और कहा कि वह देश में शांति के लिए शीघ्र ही नए प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। देशभर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद आपात सुरक्षा बैठक बुलाई गई थी और उसके बाद राष्ट्रपति ने यह घोषणा की है। हजारों की संख्या में लोग कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी पाबंदियों को तोड़ते हुए भीषण गर्मी में सड़कों पर उतर आए और उन्होंने ''बाहर निकलो'' के नारे लगाए। साथ ही लोगों ने संसद को भंग करने और जल्द चुनाव कराने की मांग की। ये प्रदर्शन देश की स्वतंत्रता की 64वीं वर्षगांठ पर किए गए थे।

क्रोएशिया में सड़क पर फिसली बस, 10 लोगों की मौत, 44 घायल

जाग्रेब। क्रोएशिया में बस चालक को झपकी आने के कारण वाहन के राजमार्ग पर फिसल जाने पर उसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 44 अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें से कई घायलों की हालत गंभीर है। यह हादसा स्लोवान्स्की ब्रॉड में क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब और सर्बियाई सीमा के बीच राजमार्ग पर रविवार तड़के करीब छह बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि बस पर कोसोवो की लाइसेंस प्लेट लगी थी और यह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से कोसोवो की राजधानी प्रिस्टीना जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बस में बच्चों और दो चालकों समेत 67 यात्री थे। बस के एक चालक की हादसे में मौत हो गई। घायल हुए 44 लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्लोवान्स्की ब्रॉड अस्पताल के प्रमुख जोसिप समरदजिक ने बताया कि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि बस के दूसरे चालक को हिरासत में ले लिया गया है। उसने झपकी लगने के कारण वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था।

तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा के लिए चीन पहुंचीं अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन

तियानजिन (चीन)। (एजेंसी)।

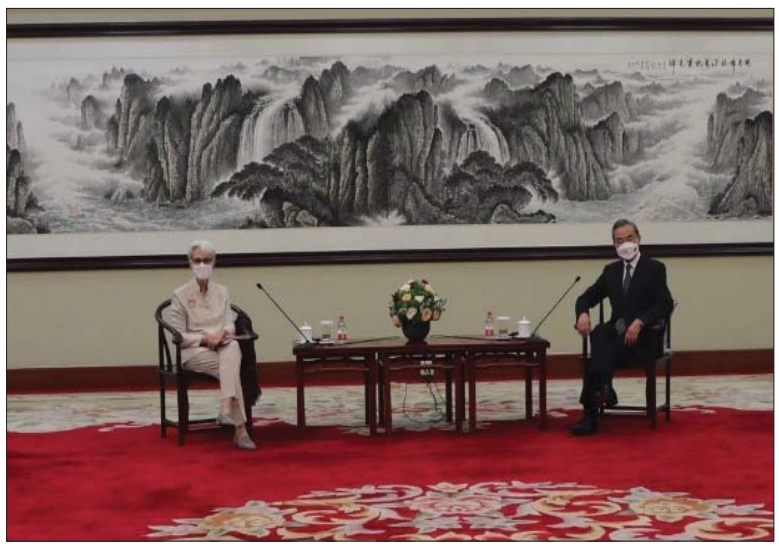

अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को यहां पहुंचे। शेरमन चीन के उप विदेश मंत्री तथा अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी शेई फेंग और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग बैठकें करेंगी। करीब छह महीने पहले जो बाइडन के अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह चीन की यात्रा करने वाली सबसे ऊंचे रैंक की पहली अमेरिकी अधिकारी हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मामलों पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि इन वार्ताओं का मकसद किसी विशेष मामले पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि उच्च स्तरीय संवाद के माध्यम खुले रखना है। बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच भी अक्टूबर के अंत में रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर बैठक हो सकती है।

रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन ने जापान के दावे वाले प्रशांत द्वीपों का किया दौरा

सना (एजेंसी)।

मास्को। रूस के प्रधानमंत्री ने सोमवार को जापान द्वारा दावा किए गए प्रशांत द्वीपों का दौरा किया और कहा कि सरकार वहां एक विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तीन इस सप्ताह रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र और साइबेरिया का दौरा कर रहे हैं, और कुरील द्वीप सोमवार को उनका पहला पड़ाव है। मिशुस्तीन ने चार सबसे दक्षिणी कुरील द्वीपों में से एक, इटुरुप पर एक अस्पताल और एक मछली संयंत्र का दौरा किया, और संयंत्र श्रमिकों से कहा कि सरकार द्वीपों पर एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने पर विचार कर रही है, जिसमें व्यवसाय और निवेश अधिकांश करों और सीमा शुल्कों से मुक्त होंगे।

मिशुस्तीन ने कहा, रूसी अधिकारी वर्तमान में जिन उपायों पर विचार कर रहे हैं, वे निवेशकों के लिए एक अच्छा साधन हो सकते हैं, जिनमें पश्चिम के लोग और जापान भी शामिल हो सकते हैं, अगर वे रुचि रखते हैं, तो यहां रोजगार पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे इन द्वीपों पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ इन उपायों पर चर्चा करेंगे। शुक्रवार को, पुतिन ने मिशुस्तीन को सुदूर पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान कुरील द्वीप समूह पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा है।

गौरतलब है कि जापान उन द्वीपों पर अपने क्षेत्रीय अधिकारों का दावा करता है जिन्हें वह उत्तरी क्षेत्र कहता है। सोवियत संघ ने उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में अपने कब्जे में ले लिया था और तब से इनको लेकर विवाद बरकरार है। समझौते पर बातचीत करने के लिए दशकों से चल रहे राजनयिक प्रयासों का अब तक कोई स्पष्ट परिणाम नहीं निकल सका है।

वित्तीय संकट के बीच लेबनान के अरबपति नजीब मिकाती बन सकते हैं देश के अगले प्रधानमंत्री

बेरूत। (एजेंसी)।

लेबनान के राष्ट्रपति सोमवार को अरबपति व्यवसायी और पूर्व प्रधानमंत्री नजीब मिकाती को देश का अगला प्रधानमंत्री नामित कर सकते हैं। देश में अभूतपूर्व वित्तीय संकट के बीच वर्तमान प्रधानमंत्री साद हरीरी के इस महीने की शुरुआत में मंत्रिपरिषद् गठन के प्रयास को छोड़ने के बाद राष्ट्रपति ने यह कदम उठाया है। राष्ट्रपति माइकल आउन और लेबनान के सांसदों के बीच विचार-विमर्श के बाद नजीब मिकाती की नियुक्ति आज ही हो सकती है। लेबनान के सबसे धनी व्यक्ति मिकाती इस पद के लिए तब सबकी पसंद बन गए जब देश के अधिकतर राजनीतिक दलों और ईरान के समर्थन वाले हिज्बुल्ला समूह ने उनका समर्थन किया।

मिकाती का समर्थन हरीरी ने भी किया जिन्होंने कैबिनेट बनाने पर आउन के साथ सहमत नहीं होने के बाद सरकार बनाने के प्रयास छोड़ दिए। संवैधानिक अधिकारों को लेकर आउन और हरीरी के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण पहले से ही खराब चल रहे आर्थिक एवं वित्तीय संकट और गहरा गए हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि मिकाती नयी सरकार गठन को लेकर वर्षों से चल रहे गतिरोध को तोड़ पाएंगे अथवा नहीं।

ड्रैगन का अमेरिका पर गंभीर आरोप, दोनों देशो के बीच हो रही है उच्च स्तरीय वार्ता

तियानजिन (चीन) (एजेंसी)।

चीनी शहर तियानजिन में अमेरिका और चीन के बीच सोमवार को आमने-सामने की उच्च स्तरीय वार्ता शुरू होने के बीच चीन ने अमेरिका पर द्विपक्षीय संबंधों में ''गतिरोध'' पैदा करने का आरोप लगाया। आधिकारिक संवाद समिति 'शिंहुआ' ने बताया कि चीन के उप विदेश मंत्री शेई फेंग ने अमेरिका से ''अपनी अत्यधिक पथभ्रष्ट मानसिकता और खतरनाक नीति को बदलने'' की अपील की। शिंहुआ ने बताया कि शी ने अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमन से कहा कि चीन और अमेरिका के संबंधों में गतिरोध इसलिए है, क्योंकि कुछ अमेरिकी चीन को ''काल्पनिक शत्रु'' के रूप में चित्रित करते हैं।

शेरमन अमेरिका एवं चीन के संबंधों के प्रभारी फेंग और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ तियानजिन शहर के रिजॉर्ट में बंद कमरे में अलग-अलग बैठकों में दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों पर चर्चा कर रही हैं। छह महीने पहले जो बाइडन के अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वह चीन की यात्रा करने वाली सबसे ऊंचे रैंक की अमेरिकी अधिकारी हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे और प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, मानवाधिकार तथा अन्य मामलों पर दोनों के बीच तनाव की स्थिति है। वांग ने शनिवार को एक साक्षात्कार में अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझता है और अन्य देशों पर दबाव बनाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल करता है। बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि इन वार्ताओं का मकसद किसी विशेष मामले पर चर्चा करना नहीं है, बल्कि उच्च स्तरीय संवाद के माध्यम खुले रखना है। बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच भी अक्टूबर के अंत में रोम में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर बैठक हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने लॉकडाउन के बीच उपायों को आगे बढ़ाने का समर्थन किया

कैनबेरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने सोमवार को घोषणा की कि वह चल रहे कोविड -19 लॉकडाउन के बीच उपायों को अधिक सहायता प्रदान करने के खुले समर्थन में है। मॉरिसन ने हाल ही में न्यू साउथ वेल्स, विक्टोरिया और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया राज्यों में आधे से अधिक ऑस्ट्रेलियाई आबादी के लिए लॉकडाउन के लिए यह कहते हुए अपना समर्थन दोहराया कि कोविड -19 के डेल्टा तनाव को नियंत्रण में लाने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैं स्पष्ट कर दूं। इसे नियंत्रण में लाने के लिए न्यू साउथ वेल्स में लॉकडाउन का कोई विकल्प नहीं है।

लॉकडाउन लागू होने जा रहा है। टीकों द्वारा सहायता प्रदान की जा सकती है, लेकिन लॉकडाउन भी प्रभावी होना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई संघीय सरकार पर लॉकडाउन से प्रभावित व्यवसायों और श्रमिकों के लिए अपना समर्थन बढ़ाने का दबाव है। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया क्रमशः मंगलवार और बुधवार को सख्त प्रतिबंधों को कम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन न्यूज कॉर्प ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को बताया कि ग्रेटर सिडनी में सितंबर के मध्य तक घर में रहने के आदेश जारी रह सकते हैं। मॉरिसन ने कहा कि हम सरकार और समर्थन उपायों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, कोषाध्यक्ष और मैं और बाकी कैबिनेट इस बात पर विचार करने के लिए बहुत खुले हैं कि हम स्थिति से कैसे निपटते हैं, क्योंकि यह आगे विकसित होता सकता है। उनकी टिप्पणी के बाद सिडनी में हजारों लोगों ने

सप्ताहांत में तालाबंदी के विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए घर में रहने के आदेशों की अवहेलना की, जिससे कोविड -19 सुपर-स्प्रेडर घटना की आशंका बढ़ गई। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कोविड -19 और 910 मौतों के 32,917 पुष्ट मामलों की सूचना दी है।

क्या चीन में 19 साल पहले फैला था कोरोना ? कई लोगों में देखे गए थे इस तरह के लक्षण

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचाया हुआ है। साल 2019 में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आया था और धीरे-धीरे इस संक्रमण ने महामारी का रूप धारण कर लिया। तकरीबन हर देश की सरकारों का इस वायरस के रोकथाम के लिए सख्त निर्णय लेने पड़े। कई देशों में तो अभी भी लॉकडाउन लागू है। दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत को भी लॉकडाउन लगाना पड़ा था।

इतना ही नहीं कोरोना की दूसरी लहर में भी लोगों को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। लेकिन इस वायरस को लेकर जो सच सामने आया है वह चीन की परेशानी को बढ़ा सकता है। अंग्रेजी समाचार पत्र 'डेली मेल' की रिपोर्ट के मुताबिक चीन में साल 2002 में ही कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। तब यहां के ग्वांगडोंग के कई रेस्त्रां के शेफ और मीट की दुकानों में काम करने वाले कसाई इस वायरस की चपेट में आ गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। साथ ही साथ बुखार के भी जूझ रहे थे। उस वक्त इस तरह के हालात देखकर डॉक्टर्स भी सख्ते में आ गए थे। यहां तक की मरीजों की देखभाल करने वालों को भी इस वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया था।

रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि कसाइयों समेत रेस्त्रां के शेफ में बिल्कुल कोरोना वायरस जैसे ही लक्षण थे। लेकिन उस वक्त इस बीमारी पर काबू पा लिया गया था। लेकिन मौजूदा समय के हालातों पर काबू पाने का प्रयास अभी भी जारी है। साल 2019 से फैले इस वायरस के खिलाफ जंग में वैक्सीन ही एकमात्र उपाय है। ऐसे में सरकारें वैक्सीनेशन प्रोग्राम को गति देने का प्रयास कर रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में तो कोरोना वायरस संक्रमण को चीन का वायलॉजिकल हथियार तक करार दिया गया है। इतना ही नहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने तो कोरोना वायरस के पीछे चीन का हाथ होने की बात कही थी।

पाकिस्तान : पीओके के चुनाव में पीटीआई ने जीती अधिकतर सीटें, विपक्ष का धांधली का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पहली बार सरकार बनाएगी। पीटीआई ने पीओके विधानसभा की 45 सीटों के लिए हुए चुनाव में 25 सीटें जीती हैं। हालांकि चुनाव में हिंसा हुई है और विपक्ष ने धांधली के आरोप लगाए हैं। सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' ने चुनाव आयोग द्वारा घोषित अनौपचारिक नतीजों के हवाले से खबर दी है, पीटीआई ने 25 सीटें जीती हैं, जबकि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) 11 सीटें जीत कर दूसरे स्थान पर है और फिलहाल सत्ता पर काबिज पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को सिर्फ छह सीटें मिली हैं।

पीटीआई को सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत मिल गया है और उसे किसी अन्य पार्टी के समर्थन की जरूरत नहीं है। यह पहली बार है कि वह पीओके में सरकार बनाएगी। परंपरागत रूप से, देश की सत्ताधारी पार्टी ही पीओके में चुनाव जीतती आयी है। मुस्लिम कांफ्रेंस (एमसी) और जम्मू कश्मीर पीपुल्स पार्टी (जेकेपीपी) को एक-एक सीट पर कामयाबी मिली है।भारत ने इससे पहले गिलगित-बाल्तिस्तान में चुनाव कराने के पाकिस्तान के फैसले का विरोध किया था और कहा था कि सेना के जरिए कब्जाए गए क्षेत्र की स्थिति को बदलने का कोई कानूनी आधार नहीं है। पीओके विधानसभा में कुल 53 सदस्य हैं लेकिन इनमें से केवल 45 सीटों पर सीधे निर्वाचन किया जाता है।

इनमें पांच सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और तीन विज्ञान विशेषज्ञों के लिए हैं। सीधे चुने जाने वाले 45 सदस्यों में से 33 सीटें पीओके के निवासियों के लिए हैं और 12 सीटें शरणार्थियों के लिए हैं, जो बीते वर्षों में कश्मीर से यहां आए थे और पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बस गए है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि पीटीआई की चुनावों में शानदार जीत प्रधानमंत्री इमरान खान में आम आदमी के भरोसे की अभिव्यक्ति है। उन्होंने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कि विपक्षी दलों को अपने नेतृत्व और राजनीति दोनों पर पुनर्विचार करना चाहिए। पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं - पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ज़रदारी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने धांधली के जरिए चुनाव जीता और उन्होंने रविवार को हुए चुनाव के नतीजों को खारिज कर दिया। भुट्टो ने दावा किया कि चुनाव आयोग चुनावी नियमों का उल्लंघन करने पर पीटीआई के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, पीटीआई ने हिंसा और धांधली का सहारा लिया। इसके बावजूद पीपीपी 11 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी है , जिसे पिछली बार तीन सीटें मिली थीं। उन्होंने पार्टी के जीतने वाले उम्मीदवारों की सूची भी साझा की। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरयम नवाज़ ने कहा कि उन्होंने परिणामों को स्वीकार नहीं किया है और न ही कभी स्वीकार करेंगी। मैंने 2018 के नतीजों को न तो स्वीकार किया है और न ही इस नकली सरकार को माना है।÷

हालांकि, उन्होंने चुनावों में पीटीआई द्वारा हिंसा और धांधली के बावजूद अच्छी लड़ाई लड़ने के लिए पीएमएल-एन के कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। पीपीपी की उपाध्यक्ष सीनेटर शेरी रहमान ने कहा, ÷ चुनाव में व्यवस्थित धांधली का सबूत है। उन्होंने कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने मतदान के दौरान पीपीपी कार्यकर्ता पर हमला किया, जबकि पुलिस ने उनकी पार्टी के एक शिविर को उखाड़ फेंका। रहमान ने कहा कि कई मतदान केंद्रों की मतदाता सूचियों में साफ फर्क है।÷ पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरयम औरंगजेब ने एक बयान में दावा किया कि चुनाव में धांधली करने के लिए ''पीटीआई के गुंडों ने'' गुजरांवाला के अलीपुर छत्ता इलाके में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया। हालांकि, क्षेत्र के चुनाव आयोग ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त अब्दुल राशिद सुलेहरिया ने मीडिया को बताया कि वह चुनाव प्रक्रिया से संतुष्ट हैं। पीटीआई के बैरिस्टर सुल्तान महमूद चौधरी क्षेत्र के प्रधानमंत्री की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। वह अपनी सीट जीत गए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन नेता राजा फारूक हैदर ने अपनी सीट बचा ली है। एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री और मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सरदार अतीक अहमद खान भी जीत गए हैं। पीओके में सरकार प्रमुख को 'प्रधानमंत्री' कहा जाता है। पीओके के विभिन्न जिलों की 33 सीटों पर कुल 587 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा जबकि पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों की 12 सीटें पर 121 प्रत्याशी मैदान में थे। इससे पहले रविवार को कोटली जिले के चारहोई इलाके में एक मतदान केंद्र पर पीपीपी के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में पीटीआई के कम से कम दो कार्यकर्ताओं की मौत हो गई।

संपादकीय

रजत से शुरुआत

मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए नया इतिहास रच दिया। मणिपुर की एथलीट चानू ने रजत पदक जीतने के लिए कुल 202 किलोग्राम वजन उठाया, जबकि चीन की होउ झिहुई ने कुल 210 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण जीता है। चानू ने पदक जीतने की राह में स्नैच पार्ट में कुल 87 किलो वजन उठाया और क्लीन ऐंड जर्क में 115 किलो वजन उठाकर भारत का नाम रोशन किया है। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली कर्णम मल्लेश्वरी के बाद दूसरी भारतीय भारोत्तोलक हैं। सिडनी ओलंपिक 2000 में कर्णम ने कांस्य जीता था। इस पदक के लिए पूरा श्रेय चानू की अथक मेहनत को दिया जा सकता है। चानू पहले विश्व चैंपियन रह चुकी हैं, जब उन्होंने अनाहेम में 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण जीता था, लेकिन ओलंपिक पदक की तो बात ही कुछ और है। पिछले ओलंपिक में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, लेकिन उसके बाद से उन्होंने जी-जान से टोक्यो ओलंपिक के लिए खुद को तैयार किया। टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत में ही जो भारत को खुशी मिली है, उसका कोई जोड़ नहीं है। इस बड़ी जीत ने दूसरे तमाम खिलाड़ियों को प्रेरित कर दिया है।

मीराबाई चानू ने ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के लिए भारत के दो दशक से अधिक लंबे इंतजार को समाप्त करके साबित कर दिया है कि भारतीय भारोत्तोलक महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। चानू ने साफ कहा है, मैं सिर्फ मणिपुर की नहीं, पूरे देश की हूं। शनिवार को पूरे प्रदर्शन के दौरान उनकी मुस्कान सबसे चमकदार थी। वह मां के आशीर्वाद के साथ खेल रही थीं और जीतने के बाद उन्होंने कहा कि मैं मां से मिलने को बेताब हूं। उनका यह कहना भारत जैसे देश में बहुत मायने रखता है, जहां लड़कियों का खेल की दुनिया में आगे बढ़ना बहुत मुश्किल है। बहुत संघर्ष से वे अपने लिए जगह बनाती हैं। चानू भी लगभग दो साल से अपने परिवार से नहीं मिली थीं। पदक जीतते ही उनके दिमाग में सबसे पहले घर की याद उमड़ आई। इंफाल के पास नोंगपोक काकचिंग में जिस घर में वह पली-बढ़ीं, वह घर उन्हें पुकारने लगा। बेशक, उनके मन में यह इच्छा स्वाभाविक आई होगी कि अपनी जमीन पर जल्दी से जल्दी पहुंचकर सफलता का स्वाद चखा जाए।

पिछले साल लॉकडाउन की पूरी अवधि - 68 दिन - पटियाला के राष्ट्रीय खेल संस्थान में बिताने वाली चानू अपने कमरे तक सिमट गई थीं, लेकिन उन्होंने कभी अभ्यास से मुंह नहीं चुराया। यथासंभव व्यायाम और मानसिक तैयारी से वह गुजरती रहीं। वह चाहतीं, तो घर लौट सकती थीं, लेकिन तब शायद पदक उनके हाथ नहीं लगता। घर की याद आती थी, तो वह हर दिन अपनी मां से वीडियो कॉल पर बात करती थीं। खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। आज भारत में न जाने कितनी बेटियां और माताएं भाव-विभोर होंगी। चानू की जीत भारतीय महिलाओं की जीत है। जो भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले रही हैं, निश्चित ही उनका मनोबल बढ़ा होगा। इन सभी खिलाड़ियों को चानू से सीखना चाहिए। प्रतियोगिता के दिन भी चानू इस मजबूत भावना के साथ उठी थीं कि वह जीत जाएंगी और उन्होंने कर दिखाया। उन्होंने रजत जीता है और उनका नाम भारतीय खेल पटल पर हमेशा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया है। भारतीय खिलाड़ियों से उम्मीदें बढ़ गई हैं, लेकिन यह तो अभी महज आगाज है।

जनगणना पर मतभेद

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि जाति आधारित जनगणना पर फिर से विचार करे। 2019 और 2020 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने इस बाबत प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार के पास भेजा था। किंतु लोक सभा में केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव से इनकार कर दिया है। इससे साफ हो गया है कि बिहार में सत्ता में भागीदार दो बड़े दलों-जदयू और भाजपा-में इस मुद्दे को लेकर मतभेद हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानमंडल में दो-दो बार जदयू समेत अन्य दलों के स्वर में स्वर मिलाकर भाजपा के सदस्यों ने भी जातिगत जनगणना के पक्ष अपना समर्थन दिया था। केंद्र सरकार के इनकार के बाद राज्यस्तरीय भाजपा नेता चुप्पी साध गए हैं। उधर नीतीश सरकार के बड़े घटक जदयू में केंद्र सरकार के इनकार से असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। नीतीश कुमार 1990 से ही सतत प्रयास करते रहे हैं कि जाति के आधार पर जनगणना की जाए। उनका मानना है कि इससे अनुसूचित जाति-जनजाति के अलावा अन्य गरीब-गुरबों की संख्या के बारे में सटीक जानकारी मिल सकेगी। इस जानकारी के आधार पर गरीबोत्थान की ऐसी योजनाएं बनाई जा सकेंगी जिनको क्रियान्वित करके गरीब वर्गों का कल्याण किया जा सकेगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा जोर पकड़ेगा। जदयू के रुख से लग रहा है कि वह इस मुद्दे को आने वाले समय में जोर-शोर से उठाएगा। दिल्ली में 31 जुलाई को प्रस्तावित जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी यह मुद्दा छाया रहा सकता है। जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का कहना है कि इस मुद्दे पर अब आर पार होगी। कहते हैं कि मोर और कौवे तक गिने जा रहे हैं, लेकिन देश की 50 फीसद आबादी की संख्या बताने में आपत्ति है। जस्टिस जी. रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट में इस बाबत जानकारी मिलने की उम्मीद है, जिसे जल्द से जल्द जारी किया जाना चाहिए। कांग्रेस और भाजपा दोनों रिपोर्ट जारी किए जाने पर पर सहमत है। त्यागी का कहना है कि व्यवस्था के पोषक तत्व जातिगत जनगणना से भयभीत हैं। दरअसल जाति की गणना संबंधी मुद्दा अति संवेदनशील है, इसलिए ज्यादा कि कहीं न कहीं आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे से जा जुड़ता है। सो कोई भी पार्टी फूंक-फूंक कर ही कदम बढ़ाना चाहेगी।

परिधि/राजीव मंडल

खेल में कब होंगे आगे!

जापान में खेलों के महाकुंभ ओलंपिक में चोटी के देशों के बीच भारत की मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर इस खेल में 21 वर्ष का सूखा खत्म किया है। चानू उत्तर-पूर्व के बेहद छोटे से राज्य मणिपुर से आती हैं मगर उनकी उपलब्धियां बड़ी हैं। देश भर में उनकी मेहनत, लगन, जीवटता और संघर्ष का बखान हो रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि मणिपुर में खेल का माहौल सकारात्मक है। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां की मिट्टी से निकले हैं। कई राज्यों हरियाणा और पंजाब आदि के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय पहचान कायम की है, मगर बिहार खेल के मामले में शून्य पर है जबकि बिहार से अलग हुआ झारखंड आज तीरंदाजी, हॉकी सहित कई अन्य खेलों में देश का नाम रोशन कर रहा है।

बिहार में खेल को लेकर वैसी गंभीरता नहीं दिखती जैसी हरियाणा और पंजाब में दिखती है। आर्थिक तंगी और सरकार की उदासीनता इसकी सबसे बड़ी वजह हैं। अगर खिलाड़ियों के लिए साधन, संसाधन, उपकरण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था हो जाए तो ये भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शर्तिया पदक जीतकर लाएंगे। वैसे सरकार को खेल के प्रति अपनी सोच को विस्तार देना होगा। चाहे वह केंद्र की सरकार हो या राज्य की। तकलीफदेह बात है कि जिस वर्ष ओलंपिक का आयोजन हो रहा हो, उस साल खेल के बजट में कटौती का ऐलान किया गया। वित्त वर्ष 2019-20 की अपेक्षा इस वित्त वर्ष के खेल बजट में कटौती की गई है। खेल मंत्रालय के प्रमुख आयोजन 'खेलो इंडिया' के लिए भी बजट में कटौती की गई है। इससे साफ पता चलता है कि खेल को लेकर सरकार क्या सोचती है? क्या बिहार उत्तर प्रदेश या अन्य राज्य हरियाणा या पंजाब से प्रेरणा नहीं ले सकते? खेल को लेकर सभी राज्यों की नीतियों में एकरूपता क्यों नहीं दिखती? केंद्र सरकार खेल के मामले में अव्वल देशों की खेल नीतियों को क्यों नहीं अपनाती? आखिर, इससे किसी को क्या परेशानी हो सकती है? आज जब हम अपनी विशाल आबादी और इसके बरक्स खेल के मैदान में भारतीय खिलाड़ियों के नगण्य आंकड़ों को देखते हैं, तो वाकई शर्मसार कर देने वाली स्थिति पाते हैं। सिर्फ क्रिकेट को तरजीह देने का ही नतीजा है कि बड़े खेल आयोजनों में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि न के बराबर दर्ज होती हैं। क्या अब भी पहले जैसा ही चलेगा या राज्य सरकारें खेल को संजीदगी से लेंगी।

यह हथियार डालने का वक्त नहीं

आलोक जोशी

बीते शनिवार को भारत में आर्थिक उदारीकरण के 30 साल पूरे हो गए। 24 जुलाई, 1991 को तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने अपना पहला बजट पेश किया था। सहयोगियों की बैसाखी पर टिकी एक अल्पमत सरकार के वित्त मंत्री थे वह। प्रधानमंत्री नरसिंह राव पर कितने राजनीतिक दबाव काम कर रहे होंगे, आसानी से समझा जा सकता है। मगर वित्त मंत्री के सामने एक विकट चुनौती थी। बजट पेश करने से पहले ही वह दो बार रुपये की कीमत गिराने का खौफनाक फैसला कर चुके थे। तीन किस्तों में रिजर्व बैंक के पास रखा सोना निकालकर विदेशों में गिरवी रखा जा चुका था और वाणिज्य मंत्री चिदंबरम ने निर्यात पर सब्सिडी खत्म करने का भी एलान कर दिया था। जाहिर है, यह सब बिना नरसिंह राव की इजाजत के तो नहीं हुआ होगा। और अगर ये सारे कदम सही नहीं पड़ते, तो इसका सबसे बड़ा खामियाजा भी नरसिंह राव को ही भुगतना पड़ता।

लेकिन वह खामियाजा तो राजनीतिक मोर्चे पर ही होता। मनमोहन सिंह के सामने जो चुनौती थी, वह कहीं बड़ी थी। और अगर वह सचमुच चूक गए होते, तो खामियाजा न सिर्फ उनको और उनकी सरकार को, बल्कि इस देश की अर्थव्यवस्था और आम जनता को भी भुगतना पड़ता। देश उस वक्त भारी घाटे और कर्ज के बोझ से दबा हुआ था, हालत यह थी कि विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ तीन हफ्ते के भुगतान का पैसा बचा था और विदेशों में बसे भारतीय भी घबराहट में बैंकों में पड़ी रकम निकालने में जुटे थे। लेकिन न सिर्फ देश इस मुसीबत से निकला, बल्कि वहां से एक सिलसिला शुरू हुआ, जो उसके बाद कई बरसों तक लगातार भारत की तरक्की की कहानी लिखता रहा। यही वजह है कि मनमोहन सिंह का वह बजट और उसके साथ शुरू हुआ आर्थिक सुधार कार्यक्रम आजाद भारत के इतिहास में सबसे बड़ा मील का पत्थर माना जाता है। उस कमजोर सरकार के बहुत कम बोलने वाले वित्त मंत्री मनमोहन सिंह के इरादे कितने मजबूत थे, यह समझने के लिए इतना जानना काफी है कि उस बजट में उन्होंने सरकारी घाटा जीडीपी के 7.6 प्रतिशत से घटाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया। दो फीसदी से ज्यादा की यह कटौती किसी एक साल में सरकारी घाटे में की गई सबसे बड़ी कटौती है। यही नहीं, उद्योगों और कारोबारियों को तो जैसे मुंहमांगी मुराद मिल गई। उन्हें कोटा-परमिट और लाइसेंस के हजारों झंझटों से एक झटके में आजाद कर दिया गया। उसके बाद की कहानी तो एक पूरा इतिहास ही है।

लेकिन यह किस्सा सिर्फ व्यापारियों और उद्योगपतियों को मिली छूट या सरकारी घाटे में कटौती के आंकड़े से समझा नहीं जा सकता। दरअसल, उस बजट ने एक बुनियाद तैयार की थी एक नई तरह की आर्थिक नीति की। इसमें सरकार की ताकत या गैर-जरूरी दखलंदाजी को कम करने और जो लोग भी अपना व्यापार या कारोबार करना चाहें, उनकी जिंदगी आसान बनाने पर जोर दिया गया था। इससे आम इंसान को दो तरह से फायदा हुआ। एक, सरकारी नौकरियों के चक्कर से निकलकर बहुत से नौजवान या तो अपने-अपने छोटे काम-धंधों में लगे या फिर उन्हें ऐसी निजी नौकरियां आसानी से मिलने लगीं, जहां पैसे भी अच्छे थे और तरक्की की उम्मीद भी ज्यादा। तब से अब तक का हाल समझने के लिए कुछ आंकड़ों पर नजर डालना ही काफी है। उससे पहले भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़त दर या जीडीपी ग्रोथ रेट का औसत

3.5 फीसदी से 4.4 फीसदी तक पहुंच पाया था। वहीं, 1991 के बाद यह पहले 10 वर्षों में 5.5 प्रतिशत और फिर बढ़कर सात फीसदी से ऊपर तो पहुंच ही चुका था। 2004 के बाद तो ज्यादातर अर्थशास्त्री उम्मीद जताने लगे थे कि अब भारत 10 फीसदी या उससे ऊपर की रफ्तार पकड़ सकता है। हालांकि, वह उम्मीद पिछले कुछ समय में फीकी पड़ गई है। फिर भी, इन 30 बरसों में देश की जीडीपी यानी देश में होने वाला कुल लेन-देन दस गुना से ज्यादा बढ़ा है। देश का कुल आयात 20 गुना हो गया है, जबकि निर्यात 16 गुना ही हो पाया है। मगर सबसे दिलचस्प नजारा है शेयर बाजार का।

यह कहना तो ठीक नहीं होगा कि 1991 से पहले भारत में शेयर बाजार नहीं था या लोग इसमें हिस्सेदारी नहीं निभाते थे। लेकिन अगर 1875 में शुरू हुए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स जून 1991 में 1,248 पर था और अब 52,975 पर है, तो 30 साल में 44 गुना होने का काफी श्रेय आर्थिक सुधारों को ही जाएगा। फिर, उस वक्त देश के म्यूचुअल फंडों में कुल मिलाकर 80 हजार करोड़ रुपये जमा थे, जो अब 34 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुके हैं, यानी 71 गुना। और इस वक्त भी देश में अगर कोई चीज पूरी रफ्तार से दौड़ रही है, तो वह बस शेयर बाजार ही है। पिछले साल भर में ही म्यूचुअल फंडों की रकम 22 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 34 लाख करोड़ हुई है और सेंसेक्स भी लगभग 40 फीसदी बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार तो इस कदर लबालब है कि अब वह दुनिया में चौथे नंबर पर पहुंच गया है। 612 अरब डॉलर से ज्यादा की रकम जमा है इसमें और सरकार के लोग इसे भी अपनी एक बड़ी उपलब्धि की तरह पेश करने में पीछे नहीं हैं।

यह सब देखकर लगता है कि सब कुछ अच्छा चल रहा है। लेकिन अपने आसपास का हाल देखें। आज रोजगार, महंगाई और कारोबार के दर्द को महसूस करें, तो शक होता है कि समृद्धि और तरक्की की ये बातें कोई फसाना तो नहीं। शायद ऐसे में राह दिखाने के लिए ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक संदेश आया है। सुधारों की 30वीं सालगिरह पर उन्होंने कहा है कि इस वक्त आगे की राह उससे भी कहीं ज्यादा कठिन है, जैसी 1991 के आर्थिक संकट के समय थी। एक राष्ट्र के रूप में हमें अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय करनी होंगी और सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हरेक भारतीय को एक सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन मिल सके।

साफ है, रास्ता बहुत मुश्किल है और शेयर बाजार में जो बहार दिख रही है, वह असलियत का प्रतिबिंब नहीं है। लेकिन वक्त घबराने या हथियार डालने का नहीं, बल्कि कमर कसकर पक्के इरादे के साथ चीजों को दुरुस्त करने में जुट जाने का है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> आज रोजगार, महंगाई और कारोबार के दर्द को महसूस करें, तो शक होता है कि आर्थिक उदारीकरण से मिली उपलब्धि कोई फसाना तो नहीं

अंतर्मन

भविष्य के लिए वर्तमान गंवाना नासमझी

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

आज जहां देखिए, लोग आपको वर्तमान से क्षुब्ध और भावी की चिंताओं को लेकर तनावपूर्ण जीवन जीते हुए मिलेंगे। बेटे-बेटी कैसे पढ़ेंगे? उनकी नौकरी कैसे और कहां लगेगी? हमारा अपना मकान कब बनेगा? जैसी छोटी-बड़ी उलझनों को लेकर हम अपने वर्तमान को ही विषाक्त बनाए रहते हैं। यहां तक कि आज दफ्तर में बॉस का मूड जाने कैसा होगा? आज देर हो गई, जाने बस भी मिलेगी या नहीं? और बस, पूरा दिन तनाव की भेंट कर के हम हाई ब्लडप्रेशर के शिकार बन कर अपने सुखी वर्तमान को अनजाने भविष्य की चिंताओं की भेंट चढ़ा देते हैं और कर्म से विमुख होकर जीवन नर्क बना लेते हैं।

व्यर्थ की भावी चिंताओं को लेकर कबीर ने तो हमें बहुत बार चेताया है, लेकिन हम हैं कि संत कबीर की बात को भुला बैठे हैं-

चिन्ता ऐसी डाकिनी, काटि करेजा खाय।
वैद्य बिचारा क्या करै, कहां तक दवा खिवाय।

सच ही तो कहते हैं कबीर कि चिन्ता तो ऐसी डाकिनी है, जो आदमी का कलेजा खा जाती है और संसार का कोई वैद्य उसकी दवा नहीं दे सकता। नीतिकार रहीम ने तो और भी बड़ी बात इस चिन्ता को लेकर कही है-

रहिमन कठिन चितान तैं, चिंता को चित चेत।
चिता दहति निर्जीव को, चिन्ता जीव-समेत।

बहुत बड़ी बात रहीम कह रहे हैं कि 'चिता' तो निर्जीव को जलाती है, जबकि 'चिन्ता' तो जीवित को जलाती है। तब इस चिन्ता का करें क्या? आज तो महानगरों के साथ ही गांवों तक हर आदमी किसी न किसी चिन्ता में उलझा हुआ अपने जीवन को नर्क बना रहा है।

आज टॉलस्टॉय की एक कहानी आप सबसे साझी कर रहा हूं। कहानी यूं है—यमराज ने अपने दूत को पृथ्वी से एक महिला के प्राण लाने को भेजा। यमदूत आया तो देखा कि जिस महिला के प्राण ले जाने हैं, उसने अभी तीन बेटियों को जन्म दिया है, जिनमें से एक तो इसके स्तन से चिपकी है, दूसरी रो रही है और तीसरी सोई है। यमदूत को दया आ गई और खाली हाथ लौटकर यमराज से बोला कि मैं उस महिला की अबोध बच्चियों को देखकर उसके प्राण नहीं ला सका। क्या उसे कुछ दिन जीवित नहीं रख सकते? यमराज ने कहा कि तुमने भावी की चिंता में पड़ के अपने कर्तव्य को छोड़ा है, इसलिए तुम्हें मृत्यु लोक में जाना होगा। वहां रहकर जब तुम अपनी मूर्खताओं पर तीन बार हंसोगे, तब यह सज़ा खत्म हो पाएगी। यमदूत धरती पर आ गया। उसने देखा कि एक मोची अपने बच्चों के लिए जूते और मिठाई आदि लेने शहर जा रहा है, पर दूत की दुर्दशा देखकर उसने कंबल खरीदा और दूत को देकर बोला कि तुम मेरे साथ घर चलो, लेकिन मेरी पत्नी गुस्सा करे, तो चिंता मत करना, क्योंकि मैंने तुम्हारी दुर्दशा देखकर सारे पैसे खर्च कर दिए हैं।

यमदूत जोर से हंसा, तो मोची ने पूछा कि तुम हंसे क्यों? दूत बोला कि जब तीन बार हंस लूंगा, तब तुम्हें सब बताऊंगा। मोची के साथ यमदूत घर आया तो मोची की पत्नी क्रुद्ध हुई, लेकिन फिर चुप हो गई कि चलो, घर के काम करने को नौकर तो मिल गया। मोची का काम दूत करने लगा तो उसकी शौहरत फैल गई और राजा ने अपने जूते बनवाने के लिए अनमोल चमड़ा मोची को देते हुए कहा कि इसके जूते बनाने हैं, स्लीपर नहीं। स्लीपर तो मरने पर पहने जाते हैं। दूत ने चमड़े से जूते की जगह स्लीपर बना दिए, तो मोची चिल्लाया कि अब तो राजा फांसी दे देगा, लेकिन तभी मंत्री आया और बोला कि राजा मर गया है, इसलिए जूते नहीं, स्लीपर चाहिए। यमदूत जोरों से हंसा।

तभी एक महिला और तीन युवतियां वहां आईं और बढ़िया जूते मांगे, तो यमदूत ने पूछा कि ये तीन युवतियां आपकी बेटियां हैं क्या? तो महिला बोली कि ये मेरी गरीब पड़ोसन की बेटियां हैं, इनकी मां जन्म देते ही मर गई थी, इसलिए मैंने इन्हें पाला है और अब मेरी सारी दौलत की हकदार ये तीनों ही हैं। दूत तीसरी बार हंसा तो मोची ने पूछा कि क्यों हंसे हो, तब दूत बोला कि ये तीनों वही बच्चियां हैं, जिनके भविष्य की चिंता में पड़कर मैंने अपने कर्तव्य से मुख मोड़ा था। आज मेरी सजा पूरी हो गई, इसलिए मैं जा रहा हूं। इस कहानी का सार यही है कि हम व्यर्थ ही भावी की चिंताओं में उलझ कर कर्म से विमुख होते हैं और जीवन को तनावों से भर लेते हैं। कबीर को याद करें तो हमें बहुत बड़ी राहत मिलेगी :

कबिरा चिन्ता क्या करूं, चिन्ता से क्या होय।
मेरी चिन्ता हरि करै, चिन्ता मोहि न कोय।

आइए, संकल्प करें कि भविष्य को प्रभु के हाथ छोड़कर हम वर्तमान के अपने कर्म करें और सुखी रहें।

कोचिंग संस्थान

पाबंदी कतई अक्लमंदी नहीं

रिजवान अंसारी

देश में कोरोना वायरस की दस्तक के बाद लॉकडाउन प्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार समेत राज्य सरकारों की खासी आलोचना होती रही है। खासकर स्वास्थ्य महकमे की नाकामी के चलते सरकारों को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। लेकिन एक ऐसा भी विभाग है जिसकी बदहाली और तंगहाली ने बहुत ही कम लोगों का ध्यान खींचा है। गौर कीजिए कि पिछले साल मार्च में जब देशबंदी का ऐलान हुआ तब सारे शिक्षण संस्थान बंद हो गए थे। अनलॉक के बाद धीरे-धीरे सिनेमा, मॉल, जिम आदि को खोल दिया गया। बाजारों में लोगों का हुजूम कोरोना वायरस को आमंत्रित करता रहा लेकिन दूसरी तरफ शिक्षण संस्थान बंद पड़े रहे। इक्का-दुक्का मामलों को छोड़ दें, तो ये संस्थान अब तक बंद पड़े हैं। हालांकि, ऑनलाइन के नाम पर छात्रों और अभिभावकों को एक झुनझुना जरूर पकड़ा दिया गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब परिवारों में इसकी जमीनी हकीकत किसी से भी छुपी नहीं है।

छात्र स्कूल और कॉलेज में पढ़े बिना किसी तरह सिलेबस को पूरा कर परीक्षा देने को बेबस हैं। समझ ही नहीं पा रहे हैं कि कैसे पढ़ें और क्या पढ़ें। एक तरफ शिक्षण संस्थानों पर ताले जड़े हैं, तो दूसरी ओर परीक्षाओं के नाम पर छात्रों को सिर्फ तारीख पर तारीख ही मिल रही हैं। सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं के साथ-साथ राज्य बोर्ड परीक्षाओं का हाल हम पहले ही देख ही चुके हैं। ताज्जुब की बात यह है कि जिस स्कूली शिक्षा में एक दिन की भी अनुपस्थिति अच्छी बात नहीं मानी जाती है, वहां करीब 16 महीने स्कूलों के बंद होने पर हमारी सरकारों में कोई बेचैनी ही नहीं दिख रही। मालूम पड़ता है जैसे कि बच्चों को बेहतर और व्यवस्थित शिक्षा मुहैया कराना कोई मुद्दा ही नहीं रहा। दूसरी ओर, बाजारों और चुनावी रैलियों में बेतहाशा भीड़ से सरकारों को कोई दिक्कत नहीं है। ऐसे में छात्रों और अभिभावकों का बिफरना स्वाभाविक है।

सरकार की इस दुलमुल नीति का असर केवल स्कूलों और कॉलेजों पर ही नहीं पड़ रहा है, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों की तस्वीर भी बदतर है। देश में सरकारी नौकरियों की किल्लत से हम सब वाकिफ हैं। लेकिन, जो भी रिक्तियां निकल रही हैं, उनकी तैयारी के लिए छात्रों को कोचिंग का उपयुक्त सहयोग और मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। इसकी वजह है कि देश भर में कोचिंग संस्थान बंद पड़े हैं। आने वाले दिनों में संघ लोक सेवा आयोग राज्य लोक सेवा आयोगों, एसएससी, एसबीआई क्लर्क, आईबीपीएस क्लर्क आदि के इम्तिहान दस्तक देने वाले हैं। इन परीक्षाओं में लाखों छात्रों का कॅरियर दांव पर लगा है। लेकिन, कोचिंग संस्थानों के बंद होने के चलते छात्र परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं।

कोचिंग संस्थानों पर ताले लटकने का नुकसान सिर्फ छात्र ही नहीं उठा रहे हैं, इनमें काम करने वाले हजारों कर्मचारियों की हालत भी खस्ता है यानी देश में बेरोजगारी पर हाहाकार मचाने में कोचिंग संस्थानों के इस पहलू का भी योगदान है। क्या आप यकीन करेंगे कि इससे पैदा होने वाली आतथक तंगी के चलते कई लोग आत्महत्या भी कर चुके हैं? दिल्ली में मुखर्जी नगर और ओल्ड राजेंद्र नगर सिविल सेवा की तैयारी के गढ़ माने जाते हैं। दोनों ही जगहों पर बड़े-बड़े नामी कोचिंग सेंटर हैं। लेकिन, इन तमाम संस्थानों की आतथक व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इन संस्थानों से जुड़े अध्यापक या तो बेरोजगार हो गए हैं, या कम वेतन पर काम कर रहे हैं। इसकी वजह है कि दिल्ली के ये संस्थान करीब डेढ़ साल से बंद पड़े हैं। लिहाजा, इन संस्थानों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। आम आदमी अलग-अलग रूप में प्रभावित हो रहा है।

कोचिंग संस्थानों को बंद रखने की सरकारी नीति इसलिए भी हास्यास्पद लगती है कि बाजारों में लगने वाली बेतरतीब भीड़ इन्हें मंजूर है लेकिन शिक्षण संस्थानों की बेंचों पर कायदे से बैठने वाले छात्रों की मौजूदगी कुबूल नहीं। क्या यह नहीं सोचा जा सकता कि सिनेमाघर, मल्टीप्लेक्स, स्टेडियम, जिम और बाजार से ज्यादा बेहतर ढंग से छात्र स्कूल और कोचिंग सेंटर की बेंचों पर बैठ सकते हैं? इसकी वजह है कि इन संस्थानों में शिक्षक बच्चों को शिष्टाचार पहले सिखाते हैं, और पढ़ाते बाद में हैं। लेकिन, सरकार की प्राथमिकता हैरान करने के सिवाय और कुछ भी नहीं है। छात्रों की तादाद तय करके उन्हें बैठा कर पढ़ाना कोई मुश्किल बात नहीं है। सभी सरकारों को चाहिए कि इस दिशा में जल्द-से-जल्द कदम उठाएं। जरूरी है कि इस बाबत एक रूपरेखा तैयार करें जिसके तहत बच्चों को बैठाने का इंतजाम हो। जब सारे काम हो सकते हैं, तो सिर्फ शिक्षा पर पाबंदी कतई अक्लमंदी का काम नहीं है।

आपकी खुशी के भी मायने हैं

खुद की और अपने करीबी लोगों की खुशी के बीच संतुलन ही सुख का आधार है। अपनी पसंद-नापसंद अपनी खुशी-दुख के प्रति भी संवेदनशील रहें और दूसरों की खुशी व दुख के प्रति भी संवेदनशीलता बरतें। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद में दूसरों की पसंद-नापसंद पर जरा रुककर विचार करें।

हम कभी भी खुद से ये सवाल नहीं पूछते हैं कि हम खुश हैं? खुश हैं तो कितने और यदि नहीं हैं तो क्यों नहीं हैं? हमारी खुशी किन-किन चीजों पर निर्भर करती है और हमने जीवन को किस तरह से संतुलित किया हुआ है?

सुनिधि परिवार को लेकर बहुत संवेदनशील है, इसलिए वो हमेशा वही करती है, जो करने की अपेक्षा उसका परिवार उससे करता है। क्या बनाना है, से लेकर कहां से क्या खरीदना, कब और कैसे खरीदना यहां तक कि हमेशा इस बात को लेकर वह बहुत अलर्ट रहती है कि उसकी सास और पति को उसका क्या पहनना पसंद है और क्या नहीं। वो कभी यह जान ही नहीं पाई कि खुद उसे क्या पसंद है? क्या पहनना, खाना और किस तरह से जीना...। नतीजा ये हुआ कि उसकी पसंद-नापसंद को लेकर परिवार हमेशा ही उदासीन बना रहा और एक वक्त पर जब उसे यह महसूस हुआ कि कुछ ऐसा भी है, जो करना उसे पसंद तो आता है, लेकिन वो ऐसा कुछ कर ही नहीं पाई...। परिवार के प्रति तरल होकर उसने खुद को बिलकुल ही भुला दिया, तब उसे बहुत अफसोस हुआ।

इसके ठीक उलट राशि का मामला रहा। राशि हमेशा हर चीज में परिवार के विरोध में ही खड़ी रहती थी। उसे लगता था कि ये उसके अपने व्यक्तित्व का सवाल है। परिवार में शादी हो या फिर कोई त्योहार, उसे पारंपरिक कपड़े पहनना अपनी तौहीन लगती थी। धीरे-धीरे यह होने लगा कि वो पूरे परिवार से कट गई और पूरे परिवार में उसे विद्रोही के तौर पर देखा जाने लगा। एक समय ऐसा भी आया, जब उसे ये लगने लगा कि वो बिलकुल अकेली हो गई है। तो उधर सुनिधि ने खुद को परिवार में गर्क कर दिया। खुद की खुशी और दुख तक कभी पहुंची ही नहीं और आखिर में वो असंतुष्ट ही रहने लगी तो दूसरी तरफ राशि ने खुद को स्थापित करने के लिए परिवार को दरकिनार कर लिया और गुजरते वक्त के साथ उसे ये महसूस हुआ कि अपनी खुशी और गम को मनाने के लिए उसके साथ कोई नहीं है... वो बस अकेली है।

ये दोनों ही मामले अतिवादी हैं। ये तय नहीं होता कि सुनिधि सुखी है या फिर राशि..., क्योंकि एक वक्त के बाद दोनों ही असंतुष्ट हैं। दोनों के ही अपने-अपने अलग तरह के दुख हैं। तो फिर सुख क्या है और सुखी होना क्या है? असल में खुद की और अपने करीबी लोगों की खुशी के बीच संतुलन ही सुख का आधार है। अपनी पसंद-नापसंद, अपनी खुशी-दुख के प्रति भी संवेदनशील रहें और दूसरों की खुशी व दुख के प्रति भी संवेदनशीलता बरतें। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद में दूसरों की पसंद-नापसंद पर जरा रुककर विचार करें।

यदि वो आपको मुफीद बैठता है या थोड़ी तालमेल की गुंजाइश नजर आती है तो उसे अपनाकर देखें। खुद को भी खुशी मिलेगी और यदि आपके करीबी भी खुश होंगे तो आपकी अपनी खुशी दोगुनी हो जाएगी। इसी तरह दूसरों के सुख-दुख का हिस्सा बनें और उन्हें भी अपनी खुशी-गम का हिस्सेदार बनाएं, देखिए सुख किस तरह दबे पांव आपको आ घेरता है। करके देखिए... यही प्यार, विश्वास और अपनापन आपको सुख और आत्मविश्वास से दमकता रखेगा।

खूबसूरती के लिए है गुलाब

गुलाब को फूलों का राजा यूं ही नहीं कहा जाता है। रंग और सौंदर्य के साथ-साथ खुशबू का मेल उसे बेजोड़ बना देता है, लेकिन इसके साथ ही ये बहुउपयोगी भी है। सौंदर्योपचार के लिए भी गुलाब कई रूपों में उपयोगी है। गुलाब को विभिन्न रूप में जैसे तेल, सूखे पावडर, उबटन आदि रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि गुलाब की पत्तियों में विटामिन ई और के होता है, जो न केवल त्वचा के लिए लाभदायक होता है, बल्कि प्रदूषण से भी बचाता है।

गुलाब त्वचा को पोषण प्रदान करता है, जिससे त्वचा तरोताजा बनी रहती है। संक्षेप में गुलाब मन और सौंदर्य दोनों के लिए अच्छा टॉनिक है।

गुलाब फेसपैक - गुलाब जल तैयार करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां काम में लाई जाती हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाती हैं। यह खुरदुरी, रूखी त्वचा को मुलायम बनाती हैं और खुले हुए रोमछिद्रों को बंद करती हैं। इसका इस्तेमाल लोशन, क्रीम और फेसपैक बनाने के लिए किया जाता है।

गुलाब का उपयोग और भी कई तरह से किया जा सकता है।

- एक शीशी में ग्लिसरीन, नींबू का रस और गुलाब जल को बराबर मात्रा में मिलाकर घोल बना लें। दो बूंद चेहरे पर मलें। त्वचा में नमी और चमक बनी रहेगी और त्वचा मखमली-मुलायम बन जाएगी।
- एक प्याला उबले गुलाब जल में एक बड़ा चम्मच नारंगी के छिलके, एक बड़ा चम्मच नींबू के छिलके और 30 पत्ते पुदीना डाल दें और घंटेभर के लिए छोड़ दें, फिर छानकर इस मिश्रण में 2 बड़े चम्मच रोजमेरी चूर्ण और आधा छोटा चम्मच सोडियम बेंजोएट मिला लें। सारी सामग्री को अच्छे से मिलाकर फ्रिज में रख लें। रात को सोने से पहले रूई से चेहरे पर लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें। इससे चेहरे पर कांति और निखार आता है।

सफेद मोम को आधा प्याला बादाम तेल डालकर हल्की आंच पर रखकर मिला लें। फिर इसमें आधा प्याला गुलाब जल डाल दें। ठंडा होने पर आधा चम्मच सोडियम बेंजोएट डालें। जमने तक छोड़ दें। इस्तेमाल के लिए बढ़िया क्रीम तैयार है। रात में सोने से पहले इसका इस्तेमाल करें।

- 500 ग्राम सेब को ब्लैंडर में डालकर अच्छे से मैश कर लें। रस और गूदे को 500 ग्राम वेजिटेबल क्रीम में मिला दें। मिश्रण को हल्की आंच पर गर्म करें। जब सब घुलमिल जाए, तब आंच से हटाकर एक चम्मच टिंचर बेंजाइट और एक प्याला गुलाब जल मिलाएं। छानकर बोतल में भरें। इस क्रीम को चेहरे और गर्दन पर लगाकर मालिश करें। यह हर तरह की त्वचा के लिए उत्तम है।
- तीन टुकड़े स्ट्रॉबेरी को लेकर धो लें। इसके गूदे में एक बड़ा चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इस पैक को 20 मिनट चेहरे पर लगाएं, फिर ठंडे पानी से मुंह धो लें।
- एक छोटा चम्मच मुल्तानी मिट्टी के चूर्ण में 2 छोटे चम्मच गुलाब जल डालकर रखें। फिर एक छोटा चम्मच नारंगी का रस और एक बड़ा चम्मच शहद डालें। मुलायम पैक बन जाए, तब चेहरे पर लगाकर रखें। सूखने पर ठंडे पानी से मुंह धो लें।

किशोरावस्था की उलझन मुंहासे और रोमछिद्र

किशोरावस्था से तरुणाई में प्रवेश करते समय शरीर में रासायनिक व हारमोनल परिवर्तन तेजी से होते हैं। मुहांसे अधिकतर इसी आयु में निकलते हैं, लेकिन सभी को नहीं। मुंहासे प्रायः तैलीय त्वचा पर ही निकलते हैं। मुहांसे ही बाद में रोमछिद्र में परिवर्तित हो जाते हैं। जो किशोरियां अंगुलियों से या प्लकर से मुहांसे से पस निकालती हैं, उन्हें ही अक्सर रोमछिद्र की शिकायत होती है। कभी-कभी तो मुहांसे दाग भी छोड़ देते हैं जो चेहरे पर भद्दे लगते हैं। रोमछिद्रों की समस्या युवतियों की एक आम समस्या बनती जा रही है। इनकी समस्या का मूल कारण अत्यधिक तैलीय त्वचा का होना होता है। दूसरा कारण त्वचा की उचित देखभाल न करना होता है। रोमछिद्र हो जाने से जहां एक ओर चेहरे की सुंदरता समाप्त होती है, वहीं दूसरी ओर समय से पूर्व ही किशोरियों के चेहरे पर परिपक्वता झलकने लगती है। यही कारण है कि आज की युवतियां सौंदर्य के प्रति सजग होती जा रही हैं। हालांकि रोमछिद्रों की समस्या को मूल से तो समाप्त नहीं किया जा सकता फिर भी अगर त्वचा की उचित देखभाल की जाए तो इस समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए इन सलाहों पर गौर करें-

पेट साफ रखें। कब्ज न होने दें। तली चीजों की जगह भोजन में दूध, फल, हरी सब्जियां व सलाद की मात्रा बढ़ाएं। गरम पदार्थ जैसे मांस, मछली, अंडा, चाय, काफी अधिक लेती हों तो इनकी मात्रा कम कर दें। दिन में दो-तीन बार चेहरे को पहले गरम व फिर ठंडे पानी से धोएं। गरम पानी में कपड़ा भिगो कर पहले चेहरे को भाप दें। उसके बाद रोमछिद्र खुल जाने पर चेहरे को ठंडे पानी से थपथपाएं व बर्फ का टुकड़ा तब तक धीरे-धीरे मलें जब तक कि त्वचा सहन कर सके। चेहरा साफ हो जाने पर एंस्ट्रिजेंट का प्रयोग करें।

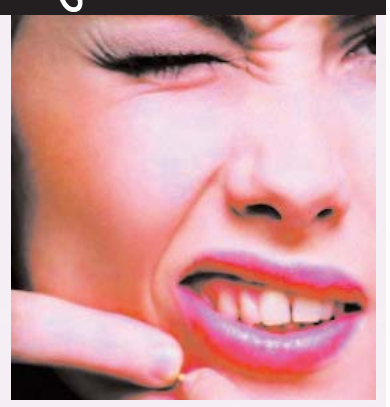

चेहरे पर क्रीम नहीं लगाएं। चेहरे पर भारी-भरकम मेकअप नहीं करें। गरमियों में चेहरे पर खीरे का रस लगाएं। रोमछिद्रों को बंद करने के लिए फिटकरी को गरम पानी में घोल कर रुई की सहायता से चेहरे पर लगाएं। टमाटर को चेहरे पर मलने से रोमछिद्रों से छुटकारा मिल सकता है।

अंडे की सफेदी का मास्क रोमछिद्रों को संकुचित करने में ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता है। इस मास्क का प्रयोग सप्ताह में दो या तीन बार जरूर करें। टमाटर, मुलतानी मिट्टी और फिटकरी तीनों को अच्छी तरह मिक्स करके चेहरे पर लगाने से चेहरा सुंदर तो होता ही है साथ ही रोमछिद्र भी बंद हो जाते हैं। हल्के कुनकुने पानी में थर्मोहर्ब पाउडर डाल कर उसका लेप बना कर आंखों व होठों को छोड़ बाकी चेहरे पर लगाएं। यह मास्क त्वचा की भीतरी परतों में नमी पहुंचा कर तनाव हटाता है और खुले रोमछिद्रों को बंद करता है।

सुख-दुःख साझा करती हैं सखी-सहेलियां

शैलजा, रोमाली और अंजलिका तीनों ने आज अपने घर और ऑफिस के काम से छुट्टी लेकर पूरे दिन साथ में घूमने का प्लान बनाया है। उनकी इस आउटिंग में साथ में न तो उनके पति होंगे न बच्चे। ये उनका अपना समय होगा, जिसे वे अपने तरीके से इंजॉय करेंगी। अपने मन की बात करेंगी। ये तीनों सहेलियां महीने में एक बार जरूर मिलती हैं।

इस तरह उनका सिर्फ अपने लिए मिलना उन्हें महीनेभर के लिए ऊर्जा से भर देता है एक तरह से उन्हें जैसे रिफ्रेश कर देता है। दरअसल ये तीनों अपनी इस टोली में वे एक-दूसरे से अपने सुख-दुःख साझा करती हैं। मौज-मस्ती करती हैं।

इन तीनों सहेलियों ने शादी के बाद यों मिलना, साथ में कुछ वक्त बिताना, घूमना-फिरना काफी सोच-विचार कर तय किया है। दरअसल वे तीनों सालों से एक जैसे चल रहे रुटीन से इतना तंग आ गई थी कि रात के खाने का मैन्यू और ऑफिस की फाइलों के बारे में सोचने से उन्हें कोफ्त होने लगी थी। सो उन्होंने इसे बदलने का सोचा।

कहानी केवल इन तीन सहेलियों की नहीं है। कभी-कभी आपको भी लगता होगा कि सुबह से शाम के एकरस रुटीन को जीना बोरिंग हो जाता है। खासतौर पर शादी के बाद जिस तरह महिलाओं की जिंदगी बदलती है, उसमें आने वाली एकरसता जिंदगी के स्वाद को बेमजा कर डालती है। फिर चाहे आप हाऊसवाइफ के रोल में हों या साथ वर्किंग वूमन के।

बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजना, पति के ऑफिस जाने की तैयारी करना, घर की साफ-सफाई करना, खाना बनाना, कपड़े धोना, खरीदारी करना, मेहमानों को अटैंड करना और यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो साथ में अपने ऑफिस का काम भी मैनेज करना। स्त्री चाहें होम मेकर हो या वर्किंग घरेलू काम का दबाव उन पर अक्सर रहता ही है।

कई बार घर की जिम्मेदारियों के चलते महिलाएं अपने होने के अहसास, अपनी खुशियों और अपने लिए जीने, अपने बारे में सोचने की बात को बहुत पीछे ढकेल देती हैं। उन सारे शौक और कामों को बिलकुल हाशिए पर डाल देती हैं, जो कभी उन्हें ऊर्जा देने का काम करते थे। वे घुट-घुट कर जीने लगती हैं।

यह हमेशा याद रखिए कि अपनी इच्छाओं का गला घोंटने या दबाने से जीवन में निराशा ही पैदा होती है और यह निराशा अवसाद की ओर ले जाती है। इससे पहले कि आप जिंदगी से ही तंग आ जाएं, इसे बेहतर ढंग से जीने की कोशिश करें। जीवन की एकरसता को तोड़ें। छोटी-छोटी बातों से जिंदगी में खुशियों के रंग भरें। यदि आप अपने बारे में नहीं सोचेंगी तो कौन सोचेगा?

शादी के बाद भी काम और परिवार से परे आपकी भी अपनी एक निजी जिंदगी है, जिसे जीने का आपको भी पूरा हक है। समय निकालिए खुद के साथ जीने के लिए। यदि आपकी सहेलियों का कोई ग्रुप है तो बहुत ही अच्छा, वरना नए मित्र बनाइए और छोटी-मोटी आउटिंग से लेकर पूल लंच-डिनर या यूं ही विंडो शॉपिंग करने निकल पड़िए।

यही नहीं, थोड़ी-बहुत गॉसिप भी कभी-कभार के लिए कतई बुरी नहीं। इससे आप कुछ हल्के पल जिएंगी और खुद को तरोताजा महसूस करेंगी। तो देर किस बात की..आज से ही शुरुआत कर डालिए।

शादी के बाद भी काम और परिवार से परे आपकी भी अपनी एक निजी जिंदगी है, जिसे जीने का आपको भी पूरा हक है। समय निकालिए खुद के साथ जीने के लिए।

रुपये में तीन सत्रों की तेजी थमी, डालर के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ 74.42 पर बंद

मुंबई, घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच रुपये में तीन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी थम गई और विदेशी विनिमय बाजार में सोमवार को रुपया दो पैसे की हानि के साथ प्रति डालर 74.42(अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि रुपये में एक सीमित दायरे में घटबढ रही । निवेशकों को इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से आगे के संकेतों का इंतजार है। अन्तर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 74.43 प्रति डालर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.40 के उच्च स्तर और 74.52 के निम्न स्तर तक हल्का होने के बाद अंत में प्रति डालर दो पैसे की गिरावट के साथ 74.42 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 74.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत घटकर 92.70 रह गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 123.53 अंक की गिरावट के साथ 52,852.27 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक जिंस वायदा बाजार में ब्रेंट क्रूड की दर 0.42 प्रतिशत घटकर 73.79 डॉलर प्रति बैरल रह गयी। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने शुक्रवार को 163.31 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

एनटीपीसी आरईएल को मप्र के शाजापुर सौर पार्क में 325 मेगावॉट की परियोजनाएं मिली

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने सोमवार को कहा कि उसकी शाखा एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (आरईएल) को मध्य प्रदेश के शाजापुर सौर पार्क में 325 मेगावॉट की सौर परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी आरईएल मध्य प्रदेश के शाजापुर सौर पार्क में रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) की विजेता बनकर उभरी है। एनटीपीसी रिन्यूएबल्स ने क्रमशः 105 मेगावॉट और 220 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाएं हासिल की हैं। इसके लिए कंपनी ने क्रमश॰ 2.35 रुपये प्रति किलोवॉट (या प्रति यूनिट) और 2.33 रुपये प्रति किलोवॉट की सबसे कम बोली लगाई।

कोटक महिंद्रा बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 1,642 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 1,244.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 8,062.81 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले 2020-21 की समान अवधि में 7,685.40 करोड़ रुपये थी। संपत्ति के मोर्चे पर बात की जाए, तो कुल ऋण पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) तिमाही के दौरान बढ़कर 3.56 प्रतिशत पर पहुंच गईं, जो जून, 2020 में 2.70 प्रतिशत पर थीं। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए 0.87 प्रतिशत से बढ़कर 1.28 प्रतिशत हो गया। डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए बैंक का प्रावधान मामूली घटकर 934.77 रुपये रह गया, जो एक साल पहले समान तिमाही में 962.01 करोड़ रुपये था।

आर्थिक संकट से निपटने के लिए नहीं छापे जाएंगे नए नोट, निर्मला सीतारमण ने संसद में दिया जवाब

बिजनेस डेस्क:

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप से पैदा हुए मौजूदा आर्थिक संकट से उबरने के लिए सरकार की मुद्रा नोटों को छापने की कोई योजना नहीं है। वित्त मंत्री से पूछा गया था कि क्या आर्थिक संकट से उबरने के लिए मुद्रा नोटों के मुद्रण की कोई योजना है। प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा, ''नहीं।'' अनेक अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों ने सरकार को सुझाव दिया है कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था में मदद के लिए और अधिक मुद्रा नोटों को छापा जाए।

तेजी से उबर रही है भारतीय अर्थव्यवस्था

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2020-21 के दौरान भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.3 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि विकास दर में कमी का अनुमान महामारी और महामारी को रोकने के लिए किए गए उपायों के कारण है। वित्त मंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के खुलने के साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रमुख घटक मजबूत बने हुए हैं। साथ ही आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत सरकार की तरफ से दिए जा रहे समर्थन की वजह से वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी छमाही से ही अर्थव्यवस्था संकट से उबरने के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। अर्थव्यवस्था को रास्ते पर लाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार ने महामारी के असर से निपटने, आर्थिक विकास को गति देने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आत्मनिर्भर भारत के तहत 29.87 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी।

सोने में 169 रुपये की तेजी, चांदी 396 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजार में तेजी के रुख और रुपये के मूल्य में गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 169 रुपये की तेजी के साथ 46,753 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 46,584 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 396 रुपये की तेजी के साथ 66,080 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसका पिछला बंद भाव 65,684 रुपये था। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये का भाव चार पैसे की गिरावट के साथ 74.44 रुपये प्रति डॉलर रह गया था। बाजार में सोना लाभ के साथ 1,808 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.32 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''अमेरिकी ट्रेजरी बिल पर निवेश प्रतिफल गिरने और डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से सोने को समर्थन मिला।''

टाटा मोटर्स का पहली तिमाही का शुद्ध घाटा कम होकर 4,450 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली: घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स का चालू वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में एकीकृत शुद्ध घाटा कम होकर 4,450.12 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में कंपनी को 8,443.98 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी एकीकृत परिचालन आय जून 66,406.05 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 31,983.06 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की आय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 5 अरब पौंड रही जो एक साल पहले 2020-21 की समान तिमाही के मुकाबले 73.7 प्रतिशत अधिक है। जेएलआर को कर पूर्व 11 करोड़ पौंड का नुकसान हुआ। एकल आधार पर टाटा मोटर्स को आलोच्य तिमाही में 1,330.74 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ। एक साल पहले 2020-21 की पहली तिमाही में कंपनी को एकल आधार पर 2,190.64 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी की एकल आधार पर परिचालन आय जून, 2021 को समाप्त तिमाही में 11,904.19 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में 2,686.87 करोड़ रुपए थी।

बायजजू ने 600मिलियन डॉलर में सिंगापुर स्थित ग्रेट लर्निंग का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली।

बायजूज ने 600 मिलियन डॉलर में पेशेवर और उच्च शैक्षिक स्टार्टअप, ग्रेट लर्निंग का अधिग्रहण कर लिया है। साझेदारी 1 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता के साथ व्यावसायिक और उच्च शिक्षा खंड में बायजूज के प्रवेश को चिह्नित करती है। यह कदम शिक्षा प्रौद्योगिकी और सामग्री में बायजूज के नेतृत्व को छात्रों और पेशेवरों के लिए अपस्किलिंग में ग्रेट लर्निंग की विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है। ग्रेट लर्निंग अपने संस्थापकों, मोहन लखमराजू, हरि नायर और अर्जुन नायर के नेतृत्व में अपने वर्तमान नेतृत्व में काम करना जारी रखेगी। दुनिया की अग्रणी एडटेक कंपनी बायजूज ने अपने फ्लैगशिप लर्निंग ऐप पर 100 मिलियन पंजीकृत छात्रों के साथ आज सिंगापुर मुख्यालय ग्रेट लर्निंग का अधिग्रहण किया, जो पेशेवर और उच्च शिक्षा खंड में एक अग्रणी वैश्विक संस्थान है। इसने ग्रेट लर्निंग के विकास को गति देने के लिए इस सेगमेंट में और 400 मिलियन डॉलर का निवेश निर्धारित किया है। यह अधिग्रहण बायजूज को प्रोफेशनल अपस्किलिंग और लाइफ-लॉन्ग लर्निंग स्पेस में वैश्विक स्तर पर 1 बिलियन डॉलर की कुल प्रतिबद्धता के साथ मजबूत धक्का देता है, के12 और टेस्ट प्रेप सेगमेंट से परे अपनी पेशकशों का विस्तार करता है और कंपनी की विकास योजनाओं को और तेज करता है। यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण समय में ग्रेट लर्निंग के मांगे जाने वाले व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के साथ बायजूज की तकनीक और सामग्री विशेषज्ञता को एक साथ लाती है। जब कोविड-19 महामारी और विकसित उद्योग की गतिशीलता ने भारत में और विश्व स्तर पर पेशेवरों को खुद को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। ग्रेट लर्निंग अपने संस्थापक और सीईओ, मोहन लखमराजू और सह-संस्थापक, हरि नायर और अर्जुन नायर के नेतृत्व में बीजू स समूह के तहत एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करना जारी रखेगा। इस पर्याप्त निवेश के साथ, ग्रेट लर्निंग भारत और वैश्विक बाजारों में अपने जैविक और अकार्बनिक विकास को गति देगा और हर जगह शिक्षार्थियों के लिए अपनी उच्च गुणवत्ता, परिवर्तनकारी पेशकशों का विस्तार करेगा। बायजजू के संस्थापक और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कहा, सही भविष्य के कौशल के साथ शिक्षार्थियों को सशक्त बनाना हमारी दृष्टि का एक मूलभूत हिस्सा है। उन्होंने कहा, ग्रेट लर्निंग एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित पेशेवर शिक्षा कंपनी है और यह साझेदारी इस नए खंड में हमारी पहुंच का विस्तार करती है। हम इस प्रतिस्पर्धी वैश्विक अर्थव्यवस्था में पेशेवरों को उच्च-गुणवत्ता और उद्योग-प्रासंगिक शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के हमारे मिशन में एकजुट हैं। अपनी संयुक्त ताकत के साथ, हम इस सेगमेंट में एक वैश्विक बाजार में सबसे बड़े बनने का लक्ष्य रखते हैं।

सेंसेक्स 124 अंक टूटा, निफ्टी 15,850 अंक से नीचे आया

मुंबई,

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में नुकसान तथा वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच सोमवार को सेंसेक्स 124 अंक फिसल गया। चीन ने प्रौद्योगिकी कंपनियों के खिलाफ नियामकीय अंकुश बढ़ाए हैं जिससे वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। इसके अलावा बाजार भागीदारों को इस सप्ताह होने वाली फेडरल रिजर्व की बैठक का भी इंतजार है। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 123.53 अंक या 0.23 प्रतिशत के नुकसान से 52,852.27 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में दो कारोबारी सत्रों के बाद गिरावट आई है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 31.60 अंक या 0.20 प्रतिशत टूटकर 15,824.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई का शेयर सबसे अधिक 1.36 प्रतिशत नीचे आया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी तथा इंडसइंड बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, टाइटन, और टाटा स्टील के शेयर 2.46 प्रतिशत चढ़ गए। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में एक प्रतिशत का लाभ रहा। बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ करीब 32 प्रतिशत बढ़कर 1,641.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के इक्विटी शोध (बुनियादी) प्रमुख नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशियाई बाजारों के नकारात्मक रुख के बीच भारतीय बाजारों की शुरुआत नुकसान के साथ हुई। हालांकि, दोपहर के कारोबार में बाजार सकारात्मक और नकारात्मक दायरे में घूमता रहा। बाजार के निवेशक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख को लेकर चिंतित हैं। एफपीआई ने जुलाई में अबतक भारतीय शेयरों से 5,689 करोड़ रुपये की निकासी की है।''

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बाजार लाभ-हानि के बीच झूलता रहा। वैश्विक बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा। नायर ने कहा कि सरकार द्वारा नियमनों को सख्त किए जाने के बाद चीन में शिक्षा, संपत्ति और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शेयरों में जबर्दस्त गिरावट आई। बीएसई स्मॉलकैप 0.34 प्रतिशत चढ़ गया। मिडकैप में 0.06 प्रतिशत का लाभ रहा। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। जापान के निक्की में लाभ रहा। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में चल रहे थे।

बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.34 प्रतिशत के नुकसान से 73.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया दो पैसे टूटकर 74.42 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 163.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ईंधन उपभोक्ताओं को मिली राहत, पेट्रोल, डीजल की कीमतों में कोई संशोधन नहीं

नई दिल्ली।

तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने सोमवार को लगातार नौवें दिन ईंधन की कीमतों में संशोधन को रोका हुआ है, जो हफ्तों में सबसे लंबी अवधि है। इसकी वजह ये है कि तेल उत्पादन पर वैश्विक विकास और अमेरिकी इन्वेंट्री बढ़ने से कच्चे तेल और उत्पाद की कीमतों में नरमी आई है।

हालांकि, उन्होंने पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्य को कम करने से रोक दिया है क्योंकि किसी भी गिरावट के संशोधन से पहले तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का अध्ययन करने के लिए अधिक समय की जरूरत होगी। पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल में थोड़ी मजबूती आई है और इससे ओएमसी द्वारा कीमतों में कटौती को रोका जा सकता है। सोमवार को कीमतों में कोई बदलाव नहीं होने से राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 101.84 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है, जबकि डीजल भी 89.87 रुपये प्रति लीटर की अपरिवर्तित कीमत पर बेचा जा रहा है। ईंधन की पंप कीमत 18 जुलाई से स्थिर है। इससे एक दिन पहले पेट्रोल में 30 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, जबकि डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ईंधन की कीमतों में वृद्धि में ठहराव के मुख्य कारणों में से एक वैश्विक तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी गई है, जिसमें बेंचमार्क क्रूड 69 डॉलर प्रति बैरल है जो कुछ हफ्ते पहले 77 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा था। मजबूत मांग अनुमानों पर यह फिर से बढ़कर 73 डॉलर प्रति बैरल हो गया। ओपेक के कच्चे उत्पादन को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर पहुंचने के साथ, तेल की कीमतें नरम रहने की उम्मीद है। यह लंबे अंतराल के बाद भारत में ईंधन की कीमतों में वास्तव में गिरावट का रास्ता बना सकता है। मुंबई शहर में जहां पेट्रोल की कीमतें 29 मई को पहली बार 100 रुपये के पार हो गई हैं, वहीं ईंधन की कीमत 107.83 रुपये प्रति लीटर है। शहर में डीजल की कीमत भी 97.45 रुपये है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। सभी महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अब 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर गई हैं। ईंधन की कीमतों में 41 दिनों की वृद्धि और 1 मई से 46 दिनों तक अपरिवर्तित रहने के बाद कीमतों में ठहराव आया है। 41 की बढ़ोतरी ने दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 11.44 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इसी तरह, राष्ट्रीय राजधानी में डीजल में 9.14 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई।

रोलेक्स रिंग्स का आइपीओ 28 जुलाई को खुलेगा

- इश्यू से कंपनी जुटाएगी 713 करोड़ रुपए

मुंबई ।

ऑटो कम्पोनेंट बनाने वाली कंपनी रोलेक्स रिंग्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपलीओ) 28 जुलाई को खुलेगा और 30 जुलाई को बंद होगा। आईपीओ की एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 27 जुलाई को बिडिंग के लिए खुलेगी। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 880-900 रुपए तय किया गया है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 731 करोड़ रुपए जुटाएगी।इस इश्यू में 56 करोड़ रुपए का नया इश्यू और रिवेंडेल पीई द्वारा 750 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल शामिल है। वर्तमान में रिवेंडेल की रोलेक्स रिंग्स में 41 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस आईपीओ से जुटाई रकम का इस्तेमाल कंपनी की लॉन्ग-टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के जनरल कॉर्पोरेट उद्देश्यों पर खर्च करेगी। मार्केट ऑबजर्व्स के मुताबिक रोलेक्स रिंग्स का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) लगभग 530 रुपए है, मार्केट एक अनऑफिशियल प्लेटफॉर्म है, जिसमें आईपीओ प्राइस बैंड की घोषणा के बाद आईपीओ शेयरों की लिस्टिंग तक ट्रेडिंग शुरू होती है। इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड को इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकर के रूप में नियुक्त किया गया है। कंपनी के इक्विटी शेयर बीएसई के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होंगे। रोलेक्स रिंग्स गुजरात के राजकोट की कंपनी है1 ये फोर्ज्ड और मशीन्ड कंपोनेंट बनाने में रोलेक्सि रिंग्स देश की सबसे बड़ी कंपनियों में से है। कंपनी भारत और दुनिया के दूसरे देशों में बियरिंग और दूसरे ऑटोमोटिव कलपुर्जों की सप्लाई करती है। कंपनी टू-व्हीलर, पैसेंजर व्हीकल, कर्मशियल व्हीकल और ऑफ हाईवे व्हीकल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, इंडस्ट्रियल मशीनरी, विंड टर्बाइन, रेवले जैसे सेक्टरों के लिए कलपुर्जे बनाती है।

गुडनाइट ने गुडनाइट गोल्ड फ्लैश लैवेंडर वैरिएंड लॉन्च किया

मुंबई, ङ्गङ्गजुलाई, 2021= गुडनाइट, जो भारत का प्रमुख घरेलू कीटनाशक ब्रांड है, ने गुडनाइट गोल्ड फ्लैश लैवेंडर लॉन्च करके भारत के अपने सबसे दमदार लिक्विड वैपॅराइजर गोल्ड फ्लैश के पोर्टफोलियो का विस्तारर किया है। मनमोहक वातावरण तैयार करने के साथ-साथ मच्छडरों के खतरे से परिवारों की रक्षा करने की आवश्यकता को पहचानते हुए, ब्रांड ने इस वैरिएंट को लॉन्च किया है। गुडनाइट गोल्डा फ्लैश लैवेंडर सबसे शक्तिशाली लिक्विड वैपॅराइजर है, जिसके फ्लैश वैपर्स के जरिए इसके असर के प्रमाण को देखा जा सकता है। यह शुरुआती 30 मिनट तक लैवेंडर की खुश्बू वाले फ्लैश वैपर्स छोड़ता है और फिर, अपने आप नॉर्मल मोड में चला जाता है। इससे कोने-कोने में छिपे मच्छ र समाप्तक हो जाते हैं और यह लैवेंडर की मनमोहक खुश्बू छोड़ता है। हीटिंग टेक्नोमलॉजी के साथ इसके अत्यंजत छिद्रयुक्तफ विक से इसके क्रियाशील पदार्थ तुरंत निकलते हैं और शानदार असर दिखलाते हैं।

उपभोक्तासओं को लिक्विड वैपॅराइजर्स की नई खुश्बू पसंद आती हैं और लैवेंडर की खुश्बूछ बेहद पसंद की जाती है। नया गुडनाइट फ्लैश लैवेंडर न केवल मच्छुरों से असरदार सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि इसकी खुश्बू भी लाजवाब है। नये लॉन्च के बारे में प्रतिक्रिया व्यलक्त करते हुए, गोदरेज कंज्यूकमर प्रोडक्ट्स। लिमिटेड (जीसीपीएल) के मुख्यॉ कार्यकारी अधिकारी - भारत और सार्क, सुनिल कटारिया ने बताया, ''घरेलू कीटनाशकों में बाजार अग्रणी होने के नाते, गुडनाइट पर भारत के उपभोक्तारओं को भरोसा है। हम ऐसे नये-नये समाधानों को लाकर इस श्रेणी में धूम मचाने में विश्वारस रखते हैं जिनसे ग्राहकों को मलेरिया एवं डेंगू जैसे वेक्टकर-बॉर्न बीमारियों से सुरक्षित रहने में मदद मिले। हमारे उपभोक्तातओं पर कराये गये शोध के आधार पर, हमें ग्राहकों की पसंदीदा खुश्बु ओं की जानकारी है। इसलिए, हम विशेष रूप से नया गुडनाइट गोल्डज फ्लैश लैवेंडर लॉन्चस कर रहे हैं।''

उन्होंरने आगे बताया, ''अपग्रेडेड हीटिंग टेक्नोंलॉजी और स्पनष्टो असर दिखाने वाला, गुडनाइट गोल्डी फ्लैश भारत के लिक्विड वैपराइजर बाजार में धूम मचा देगा। इस पेशकश के जरिए, हम कॉइल्सष और अगरबत्तीा जैसे फॉर्मट्स के उपयोगकर्ताओं को अपग्रेड कर रहे हैं।''

डीएचएल एक्स प्रेस इंडिया लेकर आया है एक्सशक्लू सिव फेस्टिव ऑफर

मुंबई, 23 जुलाई= विश्व5 का अग्रणी इंटरनेशनल एक्सिप्रेस सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सूप्रेस अपने ग्राहकों के लिये एक एक्स क्लूसिव ऑफर के साथ त्यौाहार की खुशी को सीमाओं के पार ले जा रहा है। डीएचएल एक्साप्रेस इंडिया ने अपने राखी फेस्टिव ऑफर की शुरुआत की है, ताकि ग्राहक इस मौके पर विदेशों में रहने वाले अपने परिवार और दोस्तोंन को राखी और तोहफों का सरप्राइज दे सकें। 26 जुलाई से ग्राहक राखी और तोहफों के इंटरनेशनल शिपमेंट्स पर न्यू नतम 50% की छूट पा सकते हैं। यह छूट 0.5 किलो से 2.5 किलो और 5 किलो, 10 किलो, 15 किलो और 20 किलो के वजन वाले राखी और तोहफों के इंटरनेशनल शिपमेंट के लिये देश में डीएचएल के 654 सर्विस पॉइंट्स पर मिल सकती है। ग्राहक दूसरे देशों में रहने वाले अपने प्रियजनों को मिठाई, स्नै6क्सस, आदि जैसे तोहफे भेजने के लिये इस विशेष छूट का इस्ते माल कर सकते हैं। यह ऑफर 23 अगस्तठ 2021 तक वैध रहेगा।

डीएचएल एक्स्प्रेस इंडिया में सेल्स और मार्केटिंग के वाइस प्रेसिडेंट संदीप जुनेजा ने कहा, ''महामारी के कारण वर्चुअल बातचीत में बढ़ोतरी हुई है। यह फेस्टिव ऑफर हमारे ग्राहकों को सीमापार रह रहे उनके प्रियजनों से जुड़ने में थोड़ा फिजिकल टच देने का हमारा तरीका है। हम समझते हैं कि तोहफे देना राखी मनाने का एक जरूरी हिस्सा है और हम अपने ग्राहकों के जश्ना को खास बनाने वाली टीम बनना चाहते हैं। इस प्रयास के जरिये डीएचएल इंडिया किफायती दामों पर अबाध सेवाएं प्रदान करना जारी रखना चाहता है और यह बात हमारे मूल्यक प्रस्तोव के अनुरूप है।'' यह ऑफर इस सीजन के दौरान तोहफों के लेन-देन में बढ़ोतरी को देखते हुए पेश किया गया है। इसमें विदेशों में बड़ी संख्याक में रहने वाले भारतीयों का भी ध्यातन रखा गया है। ग्राहक अपने परिवार और दोस्तोंड को शुभकामनाओं के प्रतीक भेजने के लिये 220 देशों और क्षेत्रों में डीएचएल एक्साप्रेस की पहुँच का फायदा उठा सकते हैं। इस ऑफर में एसएमएस और ईमेल द्वारा प्रोएक्टिव अपडेट्स के माध्यकम से शिपमेंट की पूरी विजिबिलिटी का आश्वारसन भी है, ताकि दुनिया में कहीं भी बाधारहित डिलीवरीज सुनिश्चित हो सकें।

ओलंपिक फेंसिंग : भारत की भवानी दूसरे ही दौर में बाहर हुई

नई दिल्ली । टोक्यो ओलंपिक की फेंसिंग (तलवार बाजी) स्पर्धा में भारत की एकमात्र प्रतियोगी भवानी देवी दूसरे ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। भवानी को राउंड 32 के मुकाबले में दुनिया की तीसरी नंबर की खिलाड़ी मैनन ब्रुनेट ने हराया। भवानी देवी को इस मुकाबले में 7-15 से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ओलंपिक में भवानी का अभियान भी समाप्त हो गया। भवानी ओलंपिक तलवारबाजी मुकाबले में भाग लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। भवानी ने पहले दौर में महिला व्यक्तिगत सेबर इवेंट में ट्यूनीशिया की नादिया बेन अज़ीज़ी को 15-3 से हराकर जीत से अपना अभियान शुरु किया था। यह ओलंपिक इतिहास में भारत का पहला फेंसिंग (तलवार बाजी) मैच था। 27 साल की भवानी ने तीन मिनट के पहले पीरियड में एक भी अंक नहीं खोया और 8-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर यह ली। नादिया ने दूसरे पीरियड में वापसी के प्रयास किये पर भवानी ने अपनी बढ़त मजबूत करनी जारी रखी और छह मिनट 14 सेकेंड में मुकाबला जीत लिया। आठ बार की नेशनल चैम्पियन भवानी देवी कॉमनवेल्थ चैम्पियनशिप टीम इवेंट्स में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज़ मेडल जीत चुकी हैं। भवानी के करियर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में ब्लैक कार्ड पा चुकी थीं।

टी20 सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

कोलंबो।

शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम के पास एकदिवसीय सीरीज के बाद अब श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज भी जीतने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। पहले टी20 मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां दूसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। जिस प्रकार पहले टी20 मैच में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है उससे उसके इरादे बुलंद हैं। भारतीय टीम की ओर से पहले टी20 में सूर्यकुमार यादवा ने शानदार बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ने लंकाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय टीम इस मैच में शायद ही कोई बदलाव करे। टीम प्रबंधन अगर इंग्लैंड दौरे के लिए चुने गए पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव को आराम देने का फैसला करता है तभी किसी दूसरे खिलाड़ी को अवसर मिल सकता है पर इसकी उम्मीद बेहद कम है। योजना में बदलाव होने की स्थिति में खराब फॉर्म को देखते हुए मनीष पांडे की जगह देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है। इस मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी नजरें रहेंगी। सैमसन को जब भी खेलने का मौका मिला तो अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं ला सके।

विकेटकीपर के तौर पर लोकेश राहुल भी एक विकल्प हैं और ऐसे में सैमसन के पास अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने के लिए अधिक समय नहीं है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के निदेशक राहुल द्रविड़ को भी सैमसन से काफी उम्मीदें हैं और अगर वह बचे हुए दो मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहते हैं तो यह श्रृंखला उनके लिए अंतिम मौका साबित हो सकती है। टीम के लिए हार्दिक पंड्या की बल्लेबाजी फॉर्म भी चिंता का कारण जो श्रीलंका के खिलाफ अब तक अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। उन्होंने गेंदबाजी ठीक की है पर वह पहले की तरह प्रभावी नहीं दिखे। स्पिनर युजवेंद्र चहल और वरूण चक्रवर्ती एक बार फिर प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 20 से अधिक खिलाड़ियों का चयन होने की उम्मीद है और ऐसे में चक्रवर्ती तथा चहल दोनों को टीम में जगह मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम के लिए राह बेहद कठिन है लगातार हार से टीम का आत्मविश्वास भी कमजोर हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक नाकाम रह हैं। चरिथ असालंका ने पहले मैच में 44 रन की पारी खेलकर भारत पर दबाव डालने का प्रयास किया था पर अहम अवसरों पर कप्तान दासुन शनाका की टीम अपना प्रभाव नहीं दिखा पायी है। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये जबकि गेंदबाज भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये हैं।

फीडे विश्व कप शतरंज - वासिफ़ से विदित नें मुश्किल मैच बचाया

सोच्ची , रूस (निकलेश जैन)

विश्व कप शतरंज प्रतियोगिता के पांचवें दौर के मुक़ाबले शुरू हो चुके है और एक बार फिर दो क्लासिकल मुकाबलों के आधार पर तय होगा की कौन से 8 खिलाड़ी क्वाटर फाइनल मे प्रवेश करेंगे । भारत के विदित गुजराती का मुक़ाबला अजरबैजान के वासिफ़ दुरारबायली से हो रहा है । पहले क्लासिकल मुक़ाबले मे सफ़ेद मोहरो से खेल रहे विदित नें स्लाव ओपनिंग मे नयी चालों को शामिल करते हुए वासिफ़ को मुश्किल मे डाल दिया था पर खेल की 20वीं चाल मे वजीर की गलत चाल से उनका खेल मुश्किल मे पड़ गया और वासिफ़ का प्यादा वजीर के हिस्से मे काफी आगे बढ़ गया और ऐसा लगा की विदित की हार नजदीक है पर विदित नें हार ना मानते हुए अपने वजीर से कुछ हमले जारी रखे और खेल की 32वीं चाल मे पहले वजीर की अदला बदली और 33वीं चाल मे वासिफ़ की हाथी की गलत चाल से विदित नें मैच मे बराबरी हासिल कर ली और खेल 56 चालों के बाद अनिर्णीत समाप्त हुआ । अब दूसरे क्लासिकल मुकाबलों मे विदित के सामने काले मोहरो से जीतने की चुनौती होगी । अन्य मुकाबलों मे पहले दिन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें रूस के आन्द्रे एसीपेंको से , रूस के सेरगी कार्याकिन नें फ्रांस के मकसीम लागरेव से ,यूएसए के सैम शंकलंद नें रूस के पीटर स्वीडलर से ,रूस के व्लादिमीर फेडोसीव नें बेलारूस के ईविक विलिमिर से । पोलैंड के जान डुड़ा ने रूस के अलेक्जेंडर ग्रीसचुक से ,पोलैंड के पीओरून कैस्पर नें फ्रांस के एटीने बकरोट से बाजी ड्रॉ खेली जबकि दिन की एकमात्र जीत हासिल की अर्मेनिया के हैक मरतिरोसयान नें जिंहोने ईरान के अमीन ताबतबाई को मात दी

तैराक खड़े ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मुंबई। भारतीय तैराक वीरधवल खड़े ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है जिन्होंने कहा कि भारतीय तैराकों को ओलंपिक के लिए नहीं भेजना चाहिए था। खड़े ने कुछ चुनिंदा लोगों को जवाब दिए जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक में बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज और माना पटेल के प्रदर्शन की आलोचना की थी। एक व्यक्ति ने ट्वीट कर लिखा, अगर तैयारी नहीं है तो खिलाड़ियों को भेजना बंद करें। यह ओलंपिक है, कोई लो ग्रेड टूर्नामेंट नहीं है। ये खिलाड़ी अपने निजी सर्वश्रेष्ठ तक भी नहीं पहुंच सके। बहुत शर्म की बात है। ट्यूनिशिया से कुछ सीखने की जरूरत है। 2010 एशियाई खेलों में 50 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले खड़े ने जवाब देते हुए लिखा, आपका समाधान यह है कि खिलाड़ियों को नहीं भेजा जाए। घर में बैठकर टिप्पणी करना बहुत आसान है। मुझे यकीन है कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली हर मैच में शतक नहीं बनाते। शायद बीसीसीआई को कोहली को बाहर रखने के बारे विचार करना चाहिए। ट्रोल उनकी बात से सहमत नहीं हुआ और उसने कहा, क्रिकेट एक टीम का खेल है, व्यक्तिगत नहीं। ओलंपिक में विभिन्न देशों के एथलीटों को देखें। ट्यूनिशिया जैसे छोटे देश ने स्वर्ण जीता। खड़े ने कहा, हमारे तैराक ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए पिछले एक साल में काफी मेहनत की जो तारीफ के काबिल है। हम 10 वर्ष पहले जैसे थे उससे ज्यादा बेहतर हैं और आने वाले 10 वंष में हम और अधिक बेहतर होंगे। खड़े के इस जवाब से भी हालांकि ट्रोलर्स सहमत नहीं हुआ।

ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की वतन वापसी पर गर्मजोशी से हुआ स्वागत

नई दिल्ली ।

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू सोमवार को स्वदेश लौटी तो हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चानू सुरक्षाकर्मियों के बीच इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बाहर निकली, जहां उनके चेहरे पर मास्क और फेस शील्ड लगा था। उन्होंने यहां पहुंचने के बाद ट्वीट किया कि इतने प्यार और समर्थन के बीच यहां वापस आकर खुशी हो रही है। बहुत-बहुत धन्यवाद। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का 'भारत माता की जय% के नारों से स्वागत किया गया और भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 49 किग्रा वर्ग में कुल 202 किग्रा (87 किग्रा + 115 किग्रा) भार उठाकर शनिवार को रजत पदक हासिल किया था। इससे पहले भारोत्तोलन में 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी के कांस्य पदक जीता था। इस शानदार प्रदर्शन से उन्होंने 2016 के खेलों की निराशा को दूर किया जहां वह एक भी वैध भार उठाने में विफल रही थी। चानू पूर्व विश्व चैंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भी रह चुकी हैं।

वह इन खेलों से पहले अमेरिका में अभ्यास कर रही थी और अपने आत्मविश्वास से भरे प्रदर्शन के साथ पदक की उम्मीदों पर खरी उतरी।

संक्षिप्त समाचार

खेल मंत्री लक्ष्मी रतन शुक्ला के कड़े नियम, सोशल मीडिया से दूर रहना और लंबे बालों को कटवाना

कोलकाता। बंगाल के पूर्व कप्तान और खेल मंत्री लक्ष्मी रतन शुक्ला ने फिटनेस शिविर के साथ अंडर-23 कोच के रूप में नई पारी की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने अपने खिलाड़ियों के लिए कड़े नियम लागू किए हैं, नियमों के अनुसार सोशल मीडिया से दूर रहना और लंबे बालों को कटवाना शामिल है। बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट में दिग्गज खिलाड़ी रहे शुक्ला 2016 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े थे। इस साल जनवरी तक वह युवा मामलों और खेल के राज्यमंत्री थे। शुक्ला को बाद में टीएमसी का हावड़ा जिलाध्यक्ष बनाया गया, लेकिन पिछले विधानसभा चुनावों से ठीक पहले उन्होंने क्रिकेट पर अधिक ध्यान लगाने के लिए पद और राजनीति छोड़ दी। उन्होंने बंगाल की अंडर-23 टीम के कोच के रूप में वापसी की। चालीस साल के पूर्व खिलाड़ी ने प्रभार संभालने के बाद कहा, ''मैंने लड़कों से कहा है कि वे सोशल मीडिया पर कुछ नहीं डालें। उन्हें शिष्टाचार और अनुशासन बनाए रखना होगा। '' फिटनेस शिविर चार घंटे से अधिक समय चला जिसमें 60 क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। इन क्रिकेटरों को समूहों में बांटा गया था शुक्ला ने कहा, लंबे बाल वाले खिलाड़ियों के तुरंत अपने बाल कटवाना होगा। तीसरी बात, टीम एकजुटता के लिए उन्हें बंगाली सीखनी होगी। उन्होंने कहा, जूनियर स्तर से सीनियर टीम में खिलाड़ियों का आना बेहद महत्वपूर्ण है और इसकारण है कि मैंने जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का विकल्प चुना है। भारत के लिए तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले शुक्ला ने कहा कि उनका काम यह सुनिश्चित करना है, कि बंगाल के अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाएं।

सूर्यकुमार के आउट होने के तरीके से निराश हैं द्रविड़

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 क्रिकेट मैच में अर्धशतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार यादव के आउट होने के तरीके से कोच राहुल द्रविड़ निराश हैं। तब सूर्यकुमार आउट हुए तब द्रविड़ टीम के डगआउट में बैठे थे और सूर्यकुमार के इस खराब शॉट से नाराज दिखे। उनके चेहरे पर निराशा साफ दिख रही थी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। हालांकि सूर्यकुमार को श्रीलंका में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए पृथ्वी शॉ के साथ इंग्लैंड दौरे पर भेजा जा रहा है। उन्हें चोटिल खिलाड़ियों के विकल्प के तौर पर टीम में जगह मिली है। ऐसे में वो श्रीलंका के खिलाफ बाकी बचे दो मैच में भी अच्छी पारी खेलने चाहेंगे जिससे पूरे आत्मविश्वास के साथ इंग्लैंड जाएं। आईपीएल 2020 के बाद से से ही मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार ने 38 पारियों में 38 से ज्यादा के औसत से 1323 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। सूर्यकुमार ने इससे पहले रणजी ट्रॉफी के सत्र में भी जमकर रन बनाये थे।

ओलंपिक (तैराकी) : ऑस्ट्रेलिया की टिटमस ने जीता 400 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक

टोक्यो।

विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की तैराक एरियन टिटमस ने सोमवार को यहां जारी टोक्यो ओलंपिक खेलों में महिलाओं की 400 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में विश्व रिकॉर्ड होल्डर अमेरिका की कैथलीन लेडेकी को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने अंतिम के 100 मीटर में कैथलीन को पीछे छोड़ तीन मिनट और 56.69 सेकेंड के ओलंपिक रिकॉर्ड समय में जीत हासिल की।रियो ओलंपिक चैंपियन कैथलीन ने 33:57.36 के समय के साथ रजत और चीन की ली बिंगजी ने कांस्य पदक जीता। बिंगजी ने 4:01.08 के समय के साथ एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया, जिसके चलते वह 29.47 सेकंड के अंतिम लैप की बदौलत कानाडा की समर मैकिन्टोश से आगे निकल गई । समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने पुरुषों की 4 गुणा 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में तीन मिनट और 08.97 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। टीम में रियो ओलंपिक चैंपियन कैलेब ड्रेसेल, ब्लेक पियरोनी, बोवेन बेकर और जैच ऐप्पल शामिल थे। इन चारों खिलाड़ियों ने इस जीत के साथ अमेरिकी टीम के लिए खिताब बरकरार रखा। इटली 3:10.11 समय लेकर दूसरे स्थान

पर था ऑस्ट्रेलिया इटली से 0.11 सेकेंड पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहा। रियो ओलंपिक चैंपियन एडम पिएटी ने पुरुष 100 मीटर ब्रेकस्ट्रोक में 57.37 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता और अपना खिताब बचाए रखा। कनाडा की मारगेरेट मैतनील महिला 100 मीटर बटरफ्लाई इवेंट में 55.59 सेकेंड का समय लेकर पहले स्थान पर रहीं और उन्होंने इस इवेंट का स्वर्ण पदक जीता।

टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त, वर्ल्ड नम्बर 2 मेदवेदेव से हारे सुमित नागल

टोक्यो ।

भारत के सुमित नागल पुरुष एकल के दूसरे दौर में रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव के खिलाफ सीधे सेटों में शिकस्त के साथ टोक्यो ओलंपिक से बाहर हो गए जिससे टेनिस में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। दुनिया के 160वें नंबर के खिलाड़ी नागल को दूसरे वरीय मेदवेदेव के खिलाफ एक घंटा और छह मिनट चले मुकाबले में 2-6, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। मेदवेदेव ने पहले सेट में दो जबकि दूसरे सेट में तीन बार नागल की सर्विस तोड़ी। नागल पहले दौर में उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से हराकर ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बने थे। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में पराग्वे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले महिल युगल में अनुभवी सानिया मिर्जा और अंकिता रैना की जोड़ी को पहले दौर में ही ल्युडमाइला किचेनोक और नादिया किचेनोक की युक्रेन की जुड़वां बहनों की जोड़ी ने 0-6, 7-6, 10-8 से हराकर बाहर कर दिया था।

सोफिया पोलकानोवा से हार के बाद मनिका बत्रा का सफर समाप्त

टोक्यो ।

भारतीय खिलाड़ी मनिका बत्रा तोक्यो ओलंपिक खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के महिला एकल में सोमवार को यहां आस्ट्रिया की सोफिया पोलकानोवा से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गईं। इससे पहले अपने से अधिक रैंकिंग की खिलाड़ियों को हराने वाले मनिका के पास विश्व में 16वें नंबर की पोलकानोवा के नियंत्रित और दमदार खेल का कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 0-4 (8-11, 2-11, 5-11, 7-11) से यह मैच गंवाया। मनिका इससे पहले अचंता शरत कमल के साथ मिश्रित युगल में भी बाहर हो गयी थी।

टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए हर मौके का फायदा उठाना चाहता हूं- चहल

कोलंबो।

भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रत्येक अवसर का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं ताकि वह टी20 विश्व कप से पहले टीम में अपना स्थान पक्का कर सकें। श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की वर्तमान श्रृंखला के दौरान अच्छा प्रदर्शन करके चहल बीच में स्थगित कर दिये गये इंडियन प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन से उबर गए हैं। चहल ने भारत की पहले टी20 में श्रीलंका पर 38 रन से जीत के बाद कहा कि निश्चित तौर पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हैं। यदि आपके पास लगभग 30 खिलाड़ियों का समूह है तो निश्चित तौर पर सभी अच्छे खिलाड़ी है। सभी स्पिनर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एक स्पिनर के तौर पर आप जानते हैं कि कम से कम दो स्पिनर तैयार हैं जिन्होंने यहां और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया। मैं यही कर सकता हूं कि प्रत्येक मौके पर अच्छा प्रदर्शन करूं। उन्होंने कहा कि यदि आप अच्छा प्रदर्शन करते हो तो आपको खेलने का मौका मिलेगा और यदि नहीं करते हो तो फिर चाहें मैं हूं या कोई और आपको बाहर बैठना पड़ेगा। इसलिए जब भी गेंद मेरे हाथ में होती है, तो मैं दूसरों के बारे में नहीं सोचता तथा केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करता हूं। टी20 विश्व कप अक्टूबर-नवंबर में यूएई में खेला जाएगा। चहल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में चार ओवर में 19 रन देकर एक विकेट लिया। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान की अपनी दिनचर्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब मैं खेल नहीं रहा था तो मैंने अपने गेंदबाजी कोच के साथ काफी कड़ी मेहनत की। मैं यह जानना चाहता था कि मैंने कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं किया। इसलिए मैंने लॉकडाउन के दौरान इन चीजों पर काम किया। मैंने एक विकेट को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी की। अपने दोस्तों के साथ अभ्यास किया कि मुझे कहां गेंद करनी चाहिए। इस तरह की गेंदबाजी मेरा मजबूत पक्ष रहा है। मैंने इस दौरे पर आने से पहले स्वयं से कहा कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं। चहल ने कहा कि वह जितने आत्मविश्वास से भरे रहते हैं उतना ही अच्छा प्रदर्शन करते हैं। लॉकडाउन के दौरान मैंने अपनी गेंदबाजी की समीक्षा की लेकिन मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था। मैंने भरत अरुण सर से बात की और यहां पारस महाम्ब्रे सर और राहुल द्रविड़ सर के साथ बैठकर अपनी गेंदबाजी पर बात की। मैंने अपने वीडियो भी देखे। चहल ने कहा कि इस बीच उन्होंने पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर जयंत यादव से भी बात की। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में हम कोविड के कारण मैदान पर नहीं जा सकते थे लेकिन मुझे अपने गृहनगर में मैदान पर जाने के तीन मौके मिले और मैंने तब जयंत यादव के साथ अभ्यास किया जिनके साथ मैं बचपन से खेल रहा हूं।

रिप्लेसमेंट के तौर पर इंग्लैंड जाएंगे शॉ और सूर्यकुमार

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ और सूर्यकुमार यादव रिप्लेसमेंट के तौर अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी संभावनाओं पर विराम लगाते हुए चोटिल शुभमन गिल, आवेश खान और वाशिंगटन सुंदर की जगह इन दो खिलाड़ियों के नाम रिप्लेसमेंट के तौर पर चुने है। शुभमन पहले ही स्वदेश लौट चुके हैं। बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा, ऑलराउंडर वाशिंगटन को इंजेक्शन लगाया गया है। हालांकि, उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा समय ले रही है जिस कारण वह दौरे से बाहर हो गए हैं। बयान में कहा, तेज गेंदबाज आवेश को अभ्यास मैच के पहले दिन अंगूठे में चोट लगी थी। उन्हें एक्स रे के लिए ले जाया गया जिसमें फ्रैक्चर आया है। उनकी चोट के लिए विशेषज्ञ से सलाह ली गई है और वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। बयान में कहा, सलामी बल्लेबाज शुभमन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के दौरान पैर में चोट लगी थी। वह दौरे से बाहर हो गए हैं और भारत वापस लौट गए हैं। ऑल इंडिया सीनियर चयन समिति ने रिप्लेसमेंट के तौर पर शॉ और सूर्यकुमार के नाम चुने हैं। चयन पैनल ने ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन को मुख्य टीम में मूव किया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला चार अगस्त को नॉटिंघम में खेला जाएगा।

ममता बनर्जी की पार्टी लड़ेगी गुजरात विधानसभा चुनाव

पार्टी आलाकमान ने तय किया है कि तृणमूल कांग्रेस २०२२ के गुजरात विधानसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी

अहमदाबाद ।

गुजरात में अगले साल २०२२ में होने वाले विधानसभा चुनाव बेहद दिलचस्प हो सकते हैं । आम आदमी पार्टी और इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अलावा अब ममता बनर्जी की पार्टी गुजरात के मैदान में उतरेगी । पार्टी की ओर से पहली बार राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया गया है । राज्य में स्टेट यूनिट का गठन कर दिया गया है । पार्टी की गुजरात इकाई के लिए एक संयोजक नामित किया गया है ।

पार्टी ने अगले विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ने का फैसला किया है । टीएमसी गुजरात के संयोजक जितेंद्र खदायता ने कहा कि जल्द ही राज्य निकाय का गठन किया जाएगा । नव नियुक्त संयोज क जितेंद्र खदायता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में २०२१ का चुनाव पूरी ताकत से लड़ी । पार्टी आलाकमान ने तय किया है कि तृणमूल कांग्रेस २०२२ के गुजरात विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी । हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमारी पार्टी का किसी अन्य पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा ।

ममता बनर्जी के २१ जुलाई के भाषण को शहर के इसनपुर इलाके के एक हॉल में देखा गया । इसमें जितेंद्र और टीएमसी के अन्य सदस्य मौजूद रहे । पार्टी आलाकमान ने राज्य इकाई से ममता बनर्जी के भाषण को गुजरात में अधिक से अधिक स्थानों पर लाइव कराने की व्यवस्था करने को कहा था । रैली से पहले गीता मंदिर बस टर्मिनस जैसे व्यस्त स्थानों पर वर्चुअल जनसभा को प्रचारित करने वाले बैनर लगाए गए थे । आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम जैसी अन्य पार्टियां, जिन्होंने गुजरात में हाल के निकाय चुनावों में सफलता का स्वाद चखा है, अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई का बिगुल पहले ही फूंक चुकी हैं ।

सूरत। एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट किन्नर समाज न्यू रुप जॉइन हुआ जिसका सम्मान करते हुए किन्नर समाज प्रमुख सीता बेन प्रमुख सेलिना कुंवर लिंबा प्रमुख अर्चना जैन गीताबेन सपना मासी पांडेसरा प्रमुख सुनीता कुंवर और उनकी टीम का सम्मान किया गया। सूरत महिला प्रमुख निर्मला बेन उप प्रमुख कुसुम बेन प्रमुख श्री जहीर खान पठान महाप्रभु नगर प्रमुख अली भाई इन्होंने मिलकर न्यु टीम का सम्मान किया न्यू टीम नेम पांडेसरा प्रमुख सुनीता जूली बेन नंदिनी बेन आरती बेन सोनी बेन वनीता बेन सोनाली बेन सपना बेन फरीना बेन वारसा बेन सिला बेन पूजा बेन इन सभी का सम्मान करके खूब-खूब अभिनंदन दिया गया।

नौवीं से ११वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए खुले स्कूल

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना संक्रमण घटने के साथ ही माध्यमिक स्कूलों को भी खोला जा रहा है। कक्षा नौ से ११वीं की कक्षाएं सोमवार से शुरू कर दी गई हैं। कक्षा १२ के लिए नौ जुलाई से ही स्कूल खुल गए थे । शिक्षा मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा ने कहा कि कोर कमेटी कक्षा छह से आठ तक के बच्चों के लिए भी स्कूल खोलने पर विचार करेगी। शिक्षा मंत्री भूपेंद्र सिंह चूड़ासमा ने बताया कि राज्य सरकार की कोर कमेटी की बैठक में कक्षा नौ से कक्षा ११ के लिए भी स्कूल खोलने का निर्णय किया गया है । विद्यार्थियों की अधिकतम ५० फीसद उपस्थिति के साथ स्कूल खुलेंगे। स्कूल में आने वाले छात्रों को अभिभावकों का सहमति पत्र साथ में लाना होगा । छात्र- छात्राओं के लिए स्कूल में उपस्थित होना पूरी तरह ऐच्छिक रखा गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य में कोरोना महामारी की दूसरी लहर लगभग समाप्त हो गई है तथा राज्य सरकार कोरोना महामारी से पूरी तरह उबर गई ,है इसलिए बच्चों के भविष्य को देखते हुए कोर कमेटी ने स्कूल खोलने का फैसला किया है । कोरोना महामारी की गाइडलाइन का पालन करते हुए स्कूल संचालक कक्षा नौ से कक्षा बारहवीं के पढ़ाई शुरू कर सकते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्कूल से पढ़ाई के साथ-साथ ऑनलाइन क्लास चलती रहेगी । गौरतलब है कि गुजरात में रविवार को पिछले २४ घंटे में कोरोना संक्रमण के ३० केस दर्ज किए गए । जबकि पिछले एक सप्ताह से गुजरात में कोरोना से एक भी मौत दर्ज नहीं हुई। राज्य में अब तक कोरोना से १००७६ लोगों की मौत हो चुकी है । अहमदाबाद महानगर पालिका में पांच केस दर्ज किए गए, जबकि सूरत में तीन, वडोदरा में दो, गांधीनगर, ज ूनागढ़ व राजकोट में एक-एक केस दर्ज हुआ । राज्य के विभिन्न जिलों में कोरोना संक्रमण के केस इस प्रकार रहे। दाहोद में छह, सूरत में तीन, वडोदरा में दो, अमरेली, आणंद, भरूच, डांग, ज ूनागढ़, मेहसाणा में एक-एक केस दर्ज हुआ । राज्य में अब तक आठ लाख २४७१३ लोग कोरोना से संक्रमित हुए, जिनमें से आठ लाख १४३०७ लोग स्वस्थ होकर घर पहुंच गए । रविवार को तीन लाख २२६६४ लोगों को टीका लगाया है । राज्य में अब तक तीन करोड़ १६ लाख ३०२८१ टीके लगाए जा चुके हैं।

राज्य की ८८ तहसीलों में जोरदार बरसात जारी

गुजरात में मानसून की झड़ी अब तक सीजन की ३० फीसदी बारिश हुई : रिपोर्ट

अहमदाबाद ।

कलावड में ४ घंटे में ६ इंच और ढरोल व जोदिया तालुकों में ३ इंच बारिश दर्ज की गई है। दोबारा सक्रिय हुए मॉनसून के चलते पिछले तीन दिनों से पूरे गुजरात में जोरदार बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात की ८८ तहसीलों में जोरदार बारिश का दौर जारी है । वहीं, जामनगर के जामजोधपुर तालुका के नर्मना गांव में ३ घंटे में १० इंच बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं । कलावड में ४ घंटे में ६ इंच और ढरोल व जोदिया तालुकों में ३ इंच बारिश दर्ज की गई है । मौसम विभाग के अनुसार राज्य में ३० जुलाई तक भारी बारिश का अनुमान है । बता दें, राज्य में सीजन की ३० फीसदी बरसात हो चुकी है । जामजोधपुर तालुका के नर्मना गांव में ३ घंटे में १० इंच बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं । दोबारा सक्रिय हुए मॉनसून के चलते पिछले तीन दिनों से पूरे गुजरात में जोरदार बारिश का दौर जारी है। सोमवार सुबह से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात की ८८ तहसीलों में जोरदार बारिश का दौर जारी है । वहीं, जामनगर के जामजोधपुर तालुका के नर्मना गांव में ३ घंटे में १० इंच बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं । कलावड में ४ घंटे में ६ इंच और ढरोल व जोदिया तालुकों में ३ इंच बारिश दर्ज की गई है । मौसम विभाग के अनुसार राज्य में ३० जुलाई तक भारी बारिश का अनुमान है । बता दें, राज्य में सीजन की ३० फीसदी बरसात हो चुकी है । जामजोधपुर तालुका के नर्मना गांव में ३ घंटे में १० इंच बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं । जामजोधपुर तालुका के नर्मना गांव में ३ घंटे में १० इंच बारिश होने से बाढ़ के हालात बन गए हैं । अगर पिछले २४ घंटों की बात करें तो राज्य के २४० तहसीलों में मानसून सक्रिय है । इसमें ज ूनागढ़, सुरेंद्रनगर, महिसागर, मेहसाणा, डांग, तापी में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई है ।

अरावली, पाटन, अहमदाबाद, खेड़ा, साबरकांठा प्रांत में सबसे ज्यादा ५ इंच और मेहसाणा के उंझा में ३.५० इंच बारिश दर्ज की गई । वलसाड जिले के वापी में २ इंच और कपराड़ा में ४ घंटे में ४ इंच बारिश हुई । पंचमहल के गोधरा में ३ इंच, मोरवा (एच), जंबुघोड़ा में २.५ इंच और शहर में ३ इंच बारिश हुई है । कलावड में ४ घंटे में ६ इंच और ढरोल व जोदिया तालुकों में ३ इंच बारिश दर्ज की गई है । कलावड में ४ घंटे में ६ इंच और ढरोल व जोदिया तालुकों में ३ इंच बारिश दर्ज की गई है । दूसरी ओर उत्तर गुजरात में भी अच्छी बारिश हुई है । सबसे अधिक साबरकांठा के प्रांतिज में ५ इंच, महेसाणा के ऊंझा में ३.५ इंच बारिश हुई ।

वलसाड जिले के वापी में २ इंच, कपराडा में ४ घंटे में ४ इंच पानी गिरा । पंचमहाल के गोधरा में ३ इंच, मोरवाहड़फ में २.५ इंच, जांबुघोडा और शहेरा में ३ इंच बारिश हुई । मौसम विभाग के अनुसार राज्य में ३० जुलाई तक भारी बारिश का अनुमान है । सरदार सरोवर समेत प्रदेश के २९ डैम के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है ।

भारत के खिलाड़ी मेड इन सूरत के कपड़े पहनते हैं

आईपीएल तथा टोक्यो ओलंपिक सहित के वर्ल्ड स्पोर्ट्स में खिलाड़ियों द्वारा पहने जाते कपड़े का सूरत में निर्माण

सूरत ।

कोरोना की वजह से जहां एक तरफ सूरत कपड़ा उद्योग के ट्रेडिंग, प्रोसेसिंग, वीविंग सहित के सेक्टर की स्थिति बदतर बन चुकी है, वहां सिर्फ एक सर्कयुलर नीटिंग सेक्टर में तैयार होते कपड़े की देश और दुनिया में बड़ी डिमांड आई है। चीन से हर महीने होती ८०० टन कपड़े की आयात पूरी तरह से रूक गई है, अब देश के स्पोर्ट्स सेक्टर के खिलाड़ी भी सूरत में तैयार होते कपड़े का उपयोग करने लगे है । एक वर्ष पहले जहां शहर के सर्कयुलर नीटिंग सेक्टर के साथ जुड़े हुई इकाईयों की संख्या ५५ थी, यह आज ११५ को पार हुई है । वर्ष २००० से सर्कयुलर नीटिंग से कपड़ा उत्पादन शुरू हुआ था । वर्ष २०१७ से गति मिलने की शुरूआत हुई है । सर्कयुलर नीटिंग यानी कि कपड़े को नीटिंग पद्धति से तैयार किया जाता है । कोरोना पहले इस सेक्टर में भारत का सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी चीन था। स्थिति ऐसी थी कि हर महीने ८०० टन जितना कपड़ा चाइना से आयात करना पड़ा था। एक ही वर्ष में सूरत के इस सेक्टर को चाइना पर रही निर्भरता दूर कर ली है । पूरा आत्मनिर्भर हुआ सर्कुलर नीटिंग सेक्टर में तैयार होते अंडर गार्मेन्ट्स, स्पोर्ट्स वेयर, बैग, शूज, ट्रेन की सीट सहित के सेक्टर में इस्तेमाल होता कपड़ा अब गार्मेन्टिंग सेक्टर में भी पहला पसंदगीरूप बन गया है । आगे आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) तथा टोक्यो ओलंपिक सहित के वर्ल्ड स्पोर्ट्स में खिलाड़ियों द्वारा पहने जाता कपड़ा भी सूरत निर्माण कर रहा है । बिष्णु अग्रवाल (प्रमुख, द. गुजरात सर्कुयलर नीटिंग एसोसिएशन) ने बताया कि, एक वर्ष पहले सूरत में सिर्फ १५ मीले सर्कयुलर कपड़े का प्रोसेसिंग होता था। अब ५० से ज्यादा मील है। सेलवासा के ११००० मशीनों पर सूरत के उत्पादकों का कपड़ा जॉबवर्क हो रहे होने की स्थिति है। उत्पादक बताते है कि, सर्कयुलर नीटिंग सेक्टर में फेब्रिक्स बनाने के लिए स्पेन्डेक्स और टेक्सच्युराइजिंग यार्न का उपयोग होता है । यह कपड़े की बढ़ी हुई मांग की वजह से यह यार्न उत्पादकों के पास भी उत्पादन का काम बढ़ गया है।

पाम तेल स्वास्थ्य के लिए अनेक रूप से फायदेमंद

अहमदाबाद :

पाम तेल जो अनेक सर्वतोमुखी तेलों में से एक है। जिसका उपयोग रसोई घर में होता है। जिसमें मोनेसेच्युरेटेड चरबी का समावेश होता है। जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने का साबित हुआ है। कोलेस्ट्रोल तथा ट्रांसफ्लेट कि जिसे शरीर के लिए नुकशानदेह माना जाता है। लेकिन पाम तेल इससे मुक्त कराता है। पाम तेल का समावेश करनेवाले खुराक वास्तव में कोलेस्ट्रोल का स्तर कम करता है।

जिसके सबुत 2015 के जर्नल फुड तथा फंक्शन में प्रकाशित क्लिनिकल ट्रायल में बताये अनुसार पाम तेल तथा ओलिव तेल दोनों ने कोलेस्ट्रोल में 15 प्रतिशत की कमी कर देता है। पाम तेल में मोनोसेच्युरेटेड तथा पोलीअन सेच्युरेटेड चरबी का समावेश होता है। जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

सोयाबीन, राई के बीज तथा सनफ्लावर रूम के तापमान में प्रवाही है, जिससे अनेक खाद्य पदार्थ उपयोगी हो इसके लिए इसे सेमी सोलिड बनाने के लिए कई प्रक्रियों से गुजरना पड़ता है।

यह प्रक्रिया हाइड्रोजेनेशन के रूप में जानी जाती है। जिससे ट्रांस फेट का सर्जन होता है। तथा यह कार्डियो वास्क्युलर रोग से संबंध रखती है। द अमेरिकन जर्नल ओफ क्लिनिकल न्युट्रिशन के मुताबिक ट्रांसफेट्स को पाम तेल से हृदय से संबंधित रोग में सुधार करती है।

अहमदाबाद में सीरियल ब्लास्ट की आज १३वीं बरसी है

विस्फोट मामले में ११६३ गवाहों की गवाही ली जा चुकी है जबकि १२३७ गवाहों को छोड़ा गया है

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद को कुछ ही मिनटों में दहला देने वाला सीरियल ब्लास्ट को १२ वर्ष पूरा हो गया है । वर्ष २००८ में अहमदाबाद शहर में हुई घटना में ५८ लोगों की मौत हुई थी । हालांकि, अभी तक यह मामले का फैसला नहीं आया है । अहमदाबाद तथा सूरत को एक साथ दहला देने वाला विस्फोट के आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा हो ऐसी मांग के बीच इस वर्ष में फैसला आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। २००८ में हुई सीरियल ब्लास्ट की घटना की आज १३वीं बरसी है। इस मामले में चार महीने पहले सरकार की दलीलें पूरी होने के बाद फिलहाल आरोपियों की दलीलें चल रही है । जि समें चार वकीलों की दलीलें पूरी हो गई है और आरोपियों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा २६८ लागू किए जाने से उनको जेल से बाहर निकालने पर प्रतिबंध है। जिसकी वजह से जेल में ही ७७ आरोपी के लिए जेल में ही विशेष कोर्ट द्वारा केस चलाया जा रहा है । सीरियल ब्लास्ट मामले में ११६३ गवाहों की गवाही ली जा चुकी है जबकि १२३७ गवाहों को छोड़ा गया है । पुलिस ने यह केस में ७८ आरोपियों को गिरफ्तार किया था, हालांकि, यह आरोपी अयाज शेख ताज का गवाह बन गया था, अब ७७ आरोपियों के खिलाफ स्पेशियल कोर्ट में केस चल रहा है। अयाज ताज का गवाह बनने के बाद उसने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी की थी, जिसे कोर्ट ने निश्चित शर्तों के साथ मान्य रखी थी । इसके अलावा एक आरोपी है जिसे स्कीजोफेनिया नाम की बीमारी होने से कोर्ट ने इसे अंतरिम जमानत पर बरी किया था । विस्फोट मामले में कुल ३४ केस अलग-अलग ५२१ चाज 'शीट किया गया है, एक चाज 'शीट में ९८०० पेज का उपयोग किया गया है । यानी कि एक अनुमान के अनुसार चाज 'शीट के लिए कुल ५१ लाख पेज इस्तेमाल किए जाने का अनुमान है । कोरोना के समय में भी यह केस डे टू डे चलाया जाता था। अहमदाबाद शहर में २६ जुलाई, २००८ को शाम के समय एक के बाद एक सीरियल ब्लास्ट हुआ था ।

कारखाने में मिलने आये अज्ञात युवक की हत्या की गई

सूरत ।

सूरत में हत्या की और एक घटना सामने आने से सनसनी मच गई है । इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। सूरत के अमरोली स्थित अंजनी उद्योग विभाग-१ के प्लॉट नंबर ११७ से १२० में स्थित लुम्स कारखाने के मैनेज र मुकेश धरमसिंह बरवालीया (उम्र.३७ रहते-सी ९०१, भक्ति हाइट्स, अमरोली-सायण रोड) पर गत दोपहर में फोन आया था कि कारखाना कारीगर बाबू का किसी के साथ झगड़ा हुआ है । जिसकी वजह से मुकेश तुरंत ही कारखाना मालिक की ऑफिस के पास पहुंच गया । मुकेश ने बाबू को पूछने पर

उसने कहा कि, मेरा झगड़ा हो गया था, मुझे सर में चोट है । बाबू के सिर से ब्लड निकलते होने से मुकेश ने इसे डॉक्टर के पास जाने को कहा । इसके बाद कारखाना सुपरवाइजर रश्मी रंजन महापात्रा ने बाबू के साथ जिसका झगड़ा हुआ था यह युवक को प्लॉट नंबर १९१ और १९२ के बगल में खुले प्लॉट में मृतक हालत में देखा था । इस मामले की जानकारी अमरोली पुलिस को देने पर तुरंत ही अमरोली पुलिस अंजनी इंडस्ट्री में पहुंच गई थी । पुलिस और मैनेजर मुकेश ने कारखाने के सीसीटीवी चेक करने पर बाबू कारखाने की पांचवीं मंजिल पर था तब मृतक युवक भी पांचवी मंजिल पर गया था । जहां से मृतक युवक कुछ देर में वापस आया था और इसके पीछे बाबू भी गया था । इसके बाद दोनों के बीच झगड़ा होने पर बाबू ने अज्ञात युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार देने की आशंका पुलिस को है । इसके साथ पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज करके बाबू की खोजबीन शुरू कर दी है । सूरत में कापोद्रा एलएच. रोड जनता सोसाइटी के पास शुक्रवार की रात को ११ बजे मेडिकल से दवाई बाइक पर घर जाते युवक को रिक्शा में आये चार अज्ञात लोगों ने रोकर रिक्शा में ज बरदस्ती बिठाकर धमकी देकर ९० हजार रुपये की कीमत का मोबाइल लूट लिया । सुबह में नकद १० हजार देकर मोबाइल ले जाने के लिए कहकर फरार हो गये थे ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)